राष्ट्रीय दैनिक अख़बार

दैनिक शुभ भास्कर

भारत के सभी राज्यों से जिला ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर
विज्ञापन प्रभारी जुड़ने के लिए संपर्क करे

संपर्क सूत्र -

+9198523 15231
+91 9625958256

Epaper :https://dainikshubhbhaskar.com

दैनिक
शुभ भास्कर
हर कदम आपके साथ...

https://shubhbhaskar.com

उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड से एक साथ प्रसारित

• वर्ष : 1 • अंक : 313 • नई दिल्ली, 06 नवंबर 2024 • पृष्ठ: 8 • मूल्य : 04 रुपये, RNI.NO. UPHIN/2015/64737

नहाए खाय से छठ पर्व का हुआ आगाज

एजेंसी। नई दिल्ली

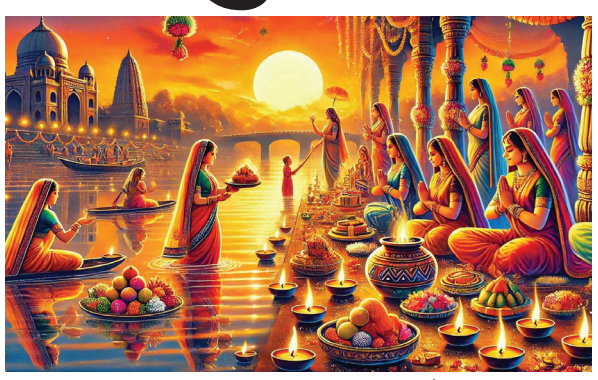

नहाए खाए से आज मंगलवार की सुबह छठ पर्व की शुरुआत हो गई है। छठ पर्व की शुरुआत कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि से हो जाती है। इसके साथ ही सूर्य देव और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस पर्व को मुख्य रूप से महिलाएं अपनी संतान की सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य की कामना के लिए मनाती हैं। इस वर्ष, छठ पूजा का पहला दिन 'नहाय खाय' है, जो इस पर्व को मनाने वालों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। नहाय खाय के दिन, मंगलवार सुबह 6:39 बजे सूर्योदय और शाम 5:41 बजे सूर्यास्त होगा। इस दिन व्रति महिलाएं गंगा नदी में स्नान-ध्यान के बाद सूर्य देव की आराधना करती हैं। इसके बाद घर में कद्दू और चने की दाल से भोजन तैयार किया जाता है। नहाय खाय का अर्थ है स्नान के बाद भोजन करना। इस दिन व्रत रखने वाली महिलाएं नदी या तालाब में स्नान करती हैं और फिर भात, चना दाल और कद्दू या लौकी का प्रसाद बनाकर ग्रहण करती हैं। यह भोजन साधक में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और व्रति को पवित्रता की ओर अग्रसर करता है।

छठ पूजा का महत्व : छठ पूजा, जिसे डाला छठ के नाम से भी जाना जाता है, एक चार दिवसीय त्योहार है जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है, लेकिन अब यह पर्व देश और विदेश में भी बड़े धूमधाम से मनाया जाने लगा है। छठ पूजा के अवसर पर घाटों पर विशेष चहल-पहल होती है, और भक्त अपने प्रियजनों की समृद्धि, सुख और दीर्घायु के लिए प्रार्थना करते हैं।

पीएम ने छठ महापर्व की सभी देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और बिहार की लोक आस्था का पर्व छठ मंगलवार को नहाय खाए से शुरू हो गया है जो की आठ नवंबर तक चलेगा । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज से शुरु छठ महापर्व की सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी है । उन्होंने छठ पर्व अनुष्ठान के सफलतापूर्वक संपन्न होने की कामना भी की । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि महापर्व छठ में आज नहाय-खाय के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी शुभकामनाएं। विशेष रूप से सभी व्रतियों को मेरा अभिनंदन। छठी मइया की कृपा से आप सबका अनुष्ठान सफलतापूर्वक संपन्न हो, यही कामना है।

दिल्ली में अगले 10 दिनों तक प्रदूषण बढ़ने का अनुमान, रोकथाम और निगरानी के लिए 588 टीमें तैनात

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में 33 विभागों के साथ प्रदूषण की रोकथाम को लेकर बैठक की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण वैज्ञानिकों के मुताबिक राजधानी में अगले 10 दिन तक प्रदूषण बढ़ने वाला है। ऐसे में प्रदूषण की रोकथाम के लिए सभी विभागों को सतर्क किया है। 6 नवंबर से 6 दिसंबर 2024 तक खुले में कोई आग ना जलाए, इसके लिए एंटी ओपन बर्निंग अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए 588 टीमों का गठन किया गया है। गोपाल राय ने कहा कि दिवाली के बाद दिल्ली और उत्तर भारत के राज्यों में एक्यूआई का स्तर 300-400 बना हुआ है लेकिन एक्सपर्ट का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों में मौसम प्रतिकूल हो रहा है, तापमान कम हो रहा है। ऐसे में एक्यूआई का स्तर बढ़ने पर कैसे विंटर एक्शन प्लान के नियमों को दिल्ली में लागू किया जाए, इसके लिए दिल्ली के 33 विभागों के साथ बैठक की गई। इस बैठक में अभी तक प्रदूषण रोकने के लिए किए गए कार्रवाई की समीक्षा की गई और आने वाले दिनों में कैसे सक्रियता और सतर्कता से प्रदूषण पर लगाम लगाकर रखी जाए, इस पर चर्चा की गई। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि सभी विभागों से कहा गया है कि वह प्रदूषण के रोकथाम के लिए काम कर रही अपनी-अपनी टीमों के साथ भी बैठक करें और अगले 10 दिन तक उन्हें भी अलर्ट रखें।

स्वास्थ्य क्षेत्र 'विकसित भारत' का आधार बनने जा रहा है: प्रो. वीके पॉल

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य प्रो. वी.के. पॉल ने मंगलवार को कहा कि सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को अगले स्तर पर ले जाने के लिए पूरी तरह से पुनर्जीवित करने को प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "हम केवल एक योजना नहीं चला रहे हैं, बल्कि संपूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का निर्माण कर रहे हैं, जो भविष्य के लिए तैयार होगी और 2047 तक हमारे देश की विकसित भारत यात्रा में सहायक होगी।" नीति आयोग के सदस्य प्रो. वीके पॉल ने नई दिल्ली में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 'स्वस्थ भारत, विकसित भारत' थीम पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। 'फिक्की हील 2024' को संबोधित करते हुए प्रो. पॉल ने कहा कि 'विकसित भारत' का अर्थ 32 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय में 2,500 डॉलर से 18,000 डॉलर तक की वृद्धि भी है। प्रो. पॉल ने कहा कि 'विकसित भारत' बनने की यात्रा के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र इसका आधार बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र को सक्षम बनाने के लिए अन्य क्षेत्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए। स्वस्थ भारत, विकसित भारत और निरामया भारत ऐसी भावना है, जिसे मैं उम्मीद करता हूं कि हम सभी साझा करेंगे। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर प्रकाश डालते हुए डॉ पॉल ने कहा कि सरकार ये सुनिश्चित कर रही है कि नई तकनीकों को मान्य किया जाए। डॉ पॉल ने उद्योग को एआई के उपयोग को मान्य करने की सलाह दी। उन्होंने जोर देकर कहा, "कृपया सुनिश्चित करें कि हमारे द्वारा पेश की गई एआई तकनीकें मान्य हों।" डॉ पॉल ने यह भी कहा कि सरकार भारत में एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने के लिए काम कर रही है, जो औसत जीवन प्रत्याशा को 71 वर्ष से बढ़ाने में मदद करेगी और सरकार 2047 तक चिकित्सक अनुपात और बिस्तर अनुपात को बढ़ाने के साथ-साथ 85 वर्ष से अधिक होने की आकांक्षा रखती है। उन्होंने आयुष्मान भारत कार्यक्रम में सभी वरिष्ठ नागरिकों को शामिल करने पर प्रकाश डालते हुए कहा, "आयुष्मान भारत वय वंदना कार्ड के साथ 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत का विस्तार किया गया है। इस अवसर पर फिक्की की स्वास्थ्य सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. हर्ष महाजन और अध्यक्ष, महाजन इमेजिंग लैब्स ने कहा, "हमारा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और भविष्य कहने वाला विश्लेषण का लाभ उठाता है, जिससे भारत के दूरदराज के इलाकों में भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुलभ हो जाती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में यह डिजिटल क्रांति पूरी तरह से 'डिजिटल इंडिया' और 'स्वस्थ भारत' दोनों की भावना का प्रतीक है।

सूचना

लोकआस्था के महापर्व छठ पर सभी विज्ञापनदाताओं, हॉकर बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

इस अवसर पर अखबार के कार्यालय व प्रेस में दिनांक 06 और 07 नवंबर को अवकाश रहेगा। अतः हमारा अगला अंक 09 नवंबर को प्रकाशित होगा।

संपादक

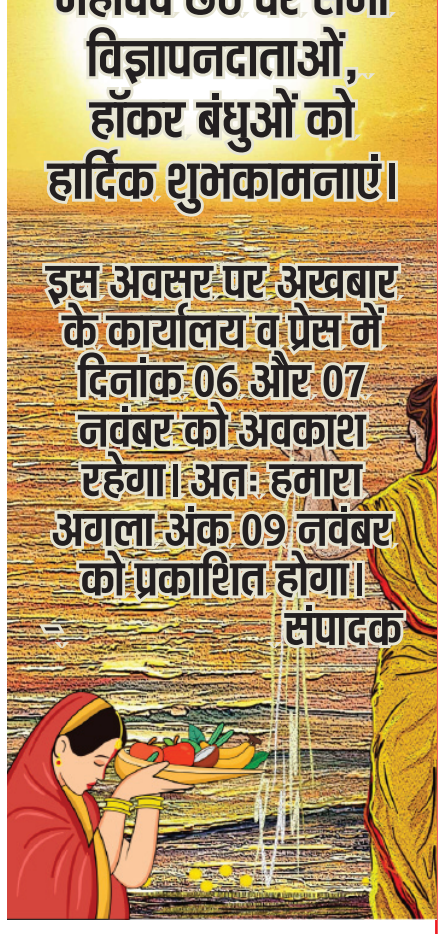

अमेरिका में कमला-ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका के लिए आज का दिन काफी अहम है। अमेरिका का अगला राष्ट्रपति कौन होगा। आज के वोटिंग से तस्वीर साफ हो जाएगी। मंगलवार से अमेरिका में वोटिंग शुरू होगी और यह अगले दिन यानी बुधवार सुबह तक जारी रहेगी। क्योंकि मुकाबला काफी करीबी है, ऐसे में नतीजे सामने आने में वक्त भी लग सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए कुछ घंटों बाद ही वोटिंग शुरू होने वाली है। कमला हैरिस बाजी मारेंगी या डोनाल्ड ट्रंप का कमबैक होगा... अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर है। अब तक के सर्वे की मानें तो डेमोक्रेट कमला हैरिस और रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप के बीच फाइट काफी टफ है। मुकाबला पूरी तरह से 50-50 वाला लग रहा है। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव दिलचस्प हो गया है। रिपब्लिकन की ओर से जहां डोनाल्ड ट्रंप मैदान में हैं। वहीं डेमोक्रेट ने कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया है। ट्रंप की ओर से जहां उपराष्ट्रपति पद के लिए जेडी वेंस कैंडिडेट हैं तो कमला की ओर से टिम वाल्ज।

डोनाल्ड ट्रंप बोले- मैं चुनाव हार भी सकता हूं,लेकिन जो होगा काफी रोचक होगा

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंक अपनी बेवाकी टिप्पणी के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं। ट्रंप विरोधियों के अलावा खुद के लिए भी बोलने से पीछे नहीं हटते हैं। बीते रोज उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान साफ कह दिया कि हां मैं राष्ट्रपति का चुनाव हार भी सकता हूं। उन्होंने कहा है कि वह हार भी सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि बुरी चीजें होती हैं। इस दौरान ट्रंप से पूछा गया था कि क्या आपको लगता है कि आप यह चुनाव हार भी सकते हैं? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा था, 'हां, मुझे लगता है तुम जानते हो'। इसके बाद ट्रंप ने कहाकि मुझे लगता है कि मैं हार सकता हूं। लेकिन मेरा मानना है कि मेरे पास अच्छी-खासी लीड है। लेकिन कुछ चीजें हो जाती हैं। ट्रंप ने आगे कहाकि जो भी हो, यह काफी रोचक होने वाला है। अमेरिका में नए राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मंगलवार (पांच नवंबर) को मतदान होगा। राष्ट्रपति चुनाव के लिए मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच है। पिछले चुनाव में तत्कालीन राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने डाक से मिले मतपत्रों में धांधली का आरोप लगाया था। इस बार ट्रंप ने अपने समर्थकों से मतदान केंद्रों पर पहले से चौकस रहने का आह्वान किया है। अमेरिका में राष्ट्रपति के लिए मतदान बेशक पांच नवंबर को होगा, लेकिन इसके परिणामों की घोषणा में कई दिन लग सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि नये राष्ट्रपति जनवरी 2025 में पद की शपथ लेगा। गौरतलब है अमेरिकी चुनाव में कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुकाबला बेहद करीबी हो चला है। ऐसे में चुनावी नतीजे आने में समय भी लग सकता है। हालांकि ट्रंप का कहना है कि मंगलवार रात तक देश के लोगों को विजेता के बारे में पता चल जाएगा।

आजकल पार्टियों में शॉर्टकट से सत्ता तक पहुंचने की होड़ लगी है - सलोप

बेलागंज मे सलोप उम्मीदवार मुन्ना कुमार ने किया जन सम्पर्क जनहित में जिसने उचित कार्य किया है वहीं आगे भी करेगा ही और समस्याओं के निदान के लिए आपके साथ खड़ा भी होगा।

दैनिक शुभ भास्कर, नवीन कुमार उपाध्याय, जिला संवाददाता गया (बिहार) :- बिहार के बेलागंज विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में कितनी ही बड़ी और छोटी पार्टियों के बीच सलोप अर्थात समाजवादी लोक परिषद पार्टी ने भी अपना प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारा है जिसका नाम है मुन्ना कुमार। वर्तमान के चुनावी समर को लेकर जन सम्पर्क के दौरान सलोप के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमांशु शेखर ने बताया कि सलोप ने बहुत कम समय में बहुत सारी जमीनी समस्याओं के समाधान में सफलता पाई है जिसके लिए पार्टी ने पदयात्रा, आमरण अनशन, चक्का जाम, धरना आदि अनेक लोकतांत्रिक पद्धतियों का प्रयोग किया। आजकल पार्टियों में शॉर्टकट से सत्ता तक पहुंचने की होड़ लगी है जैसे साइबर स्नेचिंग से डाटा लीक कराकर कार्यकर्ताओं में सेंधमारी, मुफ्त रेवड़ियां बांटना, अनापशनाप आरोप और दावे, तथ्यों से छेड़छाड़ आदि। ऐसे में मतदाता भ्रमित होकर उचित चुनाव नहीं कर पाते हैं और अयोग्य जनप्रतिनिधि को झेलते रहते हैं। हमारा मतदाताओं से इतना ही निवेदन है कि लुभावने दावों और वादों की व्यावहारिकता को जांचकर ही निर्णय लें। आपका चुना चेहरा नया है या पुराना, आपकी चुनी पार्टी नई है या पुरानी, ये देखने के बजाय उनका जमीनी संघर्ष और उपलब्धि देखिए। यदि उसने पूर्व में जनहित में उचित कार्य किया है तो आगे भी करेगा ही और वही आपकी समस्याओं के निदान के लिए आपके साथ खड़ा भी होगा।

पार्टी की प्रधान महासचिव ऋचा झा, राष्ट्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा, युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश मिश्रा,राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष रघुवंश मिश्र,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रानी मिश्रा,राष्ट्रीय कार्यकारिणी उपाध्यक्ष अनुराधा मिश्रा, व्यवसायिक प्र. राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री भावना, छात्र प्र.राष्ट्रीय अध्यक्ष निधि कुमारी,मगध प्रमंडल के उपाध्यक्ष विकास सिन्हा,मगध प्रमंडल उपसचिव, गया जिला सचिव मनीष कुमार आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने केन्द्र सरकार की सिफारिश पर 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक शीतकालीन सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। संसदीय कार्य की अत्यावश्यकताओं को देखते हुए सत्र की अवधि कम ज्यादा हो सकती है। 26 नवंबर (संविधान दिवस) पर संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सरकार हर निजी संपत्ति पर दावा नहीं कर सकती : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्राइवेट प्रॉपर्टी पर सरकारी अधिकार के मामले पर एक अहम फैसला सुनाया है। इस फैसले से नागरिकों के संपत्ति अधिकारों की रक्षा को मजबूती मिलती है। सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट किया है कि सरकार हर निजी संपत्ति पर दावा नहीं कर सकती, जब तक कि उस संपत्ति का उपयोग सार्वजनिक हित के लिए न किया जा रहा हो। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों वाली बेंच ने मंगलवार को निजी संपत्ति मामले में यह अहम फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई में बेंच ने कहा कि सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित नहीं किया जा सकता है। राज्य केवल उन संसाधनों पर दावा कर सकता है, जो सार्वजनिक हित से जुड़े हैं और जो समुदाय के पास हैं। इस फैसले के साथ ही कोर्ट ने जस्टिस कृष्णा अय्यर के पिछले फैसले को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि 1978 के बाद के कई फैसले, जिनमें समाजवादी सिद्धांत को अपनाया गया था, उन्हें पलट दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि राज्य को यह अधिकार नहीं है कि वह सभी निजी संपत्तियों को अपने अधीन कर सके। सीजेआई चंद्रचूड़ ने अपनी अहम टिप्पणी में कहा है, कि कुछ पिछले फैसले इस धारणा पर आधारित थे कि व्यक्ति के सभी निजी संसाधन समुदाय के भौतिक संसाधन हैं। उन्होंने कहा कि अदालत की भूमिका आर्थिक नीति को निर्धारित करना नहीं है, बल्कि लोकतंत्र को स्थापित करने में सहायता प्रदान करना है। ऐसे में कहा जा रहा है कि यह फैसला कई वर्षों से लंबित मामलों और संपत्ति विवादों पर गहरा प्रभाव डालेगा और नागरिकों के संपत्ति अधिकारों की रक्षा करेगा।

सीएम योगी को फिर मिली जान से मारने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

लखनऊ। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ को फिर जान से मारने की धमकी मिली है, जिससे प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। इस बार यह धमकी एक्स पर मिली है। गोरखपुर पुलिस के एक्स हैंडल पर एक व्यक्ति ने सीएम योगी को जान से मारने का धमकी भरा संदेश भेजा है। जानकारी के मुताबिक गोरखपुर निवासी रियाजुल हक अंसारी नामक व्यक्ति ने अपने अकाउंट सैफ अंसारी से ट्वीट करते हुए लिखा- मैं भी मारूंगा योगी को। इस ट्वीट को देखकर एक संस्था ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। गोरखपुर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। एसपी ने जानकारी दी कि आरोपी के सोशल मीडिया अकाउंट को ट्रेस किया जा रहा है और जल्द ही उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह घटना उस समय सामने आई है जब कुछ दिन पहले ही मुंबई में सीएम योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक महिला फातिमा को गिरफ्तार किया था। बताया जा रहा है कि फातिमा मानसिक रोगी है, लेकिन यूपी एटीएस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। योगी को लगातार मिल रही धमकियों के बाद प्रदेश की सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

खरीफ की मुख्य फसलों के 1647 लाख टन रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन का प्रथम अग्रिम अनुमान जारी

नई दिल्ली । कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए मुख्य कृषि फसलों (केवल खरीफ) के उत्पादन के प्रथम अग्रिम अनुमान जारी कर दिए गए हैं। ये अनुमान मुख्यतः राज्यों से प्राप्त जानकारी के आधार पर तैयार किये गये हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि राज्यों से प्राप्त फसलों के क्षेत्रफल को रिमोट सेंसिंग, साप्ताहिक फसल मौसम निगरानी समूह और अन्य एजेंसियों से प्राप्त जानकारी के साथ सत्यापित किया गया है। इसके अलावा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने उद्योग और अन्य सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों के साथ वर्तमान खरीफ मौसम के लिए उनकी राय और विचार प्राप्त करने हेतु हितधारक परामर्श करने की पहल की है। अनुमानों को अंतिम रूप देते समय इन पर भी विचार किया गया है। पहली बार डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत राज्य सरकारों के सहयोग से किए जा रहे डिजिटल क्राप सर्वे (डीसीएस) के आंकड़ों का उपयोग क्षेत्रफल के अनुमानों को तैयार करने के लिए किया गया है। यह सर्वे, जो मैनुअल गिरदावरी प्रणाली को प्रतिस्थापित करने के लिए परिकल्पित किया गया है, मजबूत फसल क्षेत्रफल अनुमान प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा राज्यों जिसमें खरीफ 2024 में शत प्रतिशत जिलों को डीसीएस के अंतर्गत कवर किया गया है। परिणामस्वरूप विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में चावल के अंतर्गत क्षेत्रफल में काफी वृद्धि हुई है। प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार वर्ष 2024-25 के दौरान कुल खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 1647.05 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के खरीफ खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 89.37 लाख टन अधिक एवं औसत खरीफ खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 124.59 लाख टन अधिक है। चावल, ज्वार और मक्का के अच्छे उत्पादन के कारण खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई। वर्ष 2024-25 के दौरान खरीफ चावल का उत्पादन 1199.34 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के खरीफ चावल उत्पादन से 66.75 लाख टन अधिक एवं औसत खरीफ चावल उत्पादन से 114.83 लाख टन अधिक है।

जिस जमीन से लोग ताजमहल के दीदार करते हैं उस पर किसान ने दावा ठोका

आगरा। आगरा में ताजमहल के निकट स्थित ग्यारह सीढ़ी पार्क को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। कछपुरा के निवासी किसान मुन्ना लाल ने दावा किया है कि इस पार्क में उनकी पुश्तैनी जमीन का एक हिस्सा है, जिस पर उन्होंने 40 वर्षों की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अधिकार प्राप्त किया है। उनका कहना है कि यह जमीन उनके पूर्वजों द्वारा उपयोग की जाती थी और इसके लिए उनके पास सभी कानूनी दस्तावेज भी मौजूद हैं। मुन्ना लाल के अनुसार, उनकी जमीन पर पहले उनके पिता और चाचा खेती करते थे। लेकिन 1976 में भूमि सीलिंग के कारण यह जमीन उनके हाथ से निकल गई। इसके बावजूद, उन्होंने न्यायालय में अपने स्वामित्व का दावा किया और 1998 और 2020 में जारी दस्तावेजों में भूमि का ट्रांसफर उनके पक्ष में दर्ज किया गया है। हाल ही में, मुन्ना लाल ने पार्क के अंदर छह बीघा जमीन जोत दी है और इसे चारों ओर तार से घेरकर आम जनता की एंट्री पर बैन लगा दिया है। आगरा की मंडलायुक्त ऋतु महेश्वरी ने बताया कि यह भूमि आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) के अधिकार क्षेत्र में आती है।

मुस्लिम बहनें भी बिना डर के घूमें, अगर कोई भी गुंडागर्दी करे तो ठोक दो: गडकरी

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मुस्लिम महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को भी बिना किसी डर के बाहर निकलना चाहिए और यदि कोई गुंडागर्दी करता है तो उसे सख्ती से निपटने की जरूरत है। गडकरी ने यह टिप्पणी नागपुर के ताज बाग में गुंडागर्दी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान की। गडकरी ने कहा कि हमने नागपुर में इतनी मजबूत सड़कें बनाई हैं कि अब एक भी गड्ढा नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि मैंने ठेकेदारों को चेतावनी दी है कि अगर सड़क पर गड्ढे मिले तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। गडकरी का यह बयान ऐसे समय आया है जब वह कांग्रेस पर हमलावर थे और उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 60 सालों में जनता के लिए कुछ नहीं किया और हमेशा जातिवाद की राजनीति की है। गडकरी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने मुसलमानों की चिकित्सा जरूरतों का ध्यान रखा है और उन्होंने यह नहीं पूछा कि किसी की जाति क्या है। हमने ताज बाग का सौंदर्यीकरण किया है और गुंडागर्दी को खत्म करने के लिए डिप्टी कमिश्नर से बात की है।

ख़ास ख़बर

देवहॉल्ट के समीप अज्ञात युवती का क्षतविक्षत शव बरामद

सुनील कुमार मिश्र

औरंगाबाद। दीनदयाल उपाध्याय- गया रेलखण्ड के देवहॉल्ट स्टेशन के समीप क्षत -विक्षत लगभग 25 वर्षीय अज्ञात युवती का शव पुलिस ने बरामद किया।और अंत्यपरीक्षण हेतु सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया गया । इस सम्बंध में थानाध्यक्ष गुफरान अली ने बताया कि सुबह इसकी जानकारी मिली। शव को देखने से प्रतीत होता है कि ट्रेन के चपेट में आने से इसकी मौत हुई है।चेहरा एवं शरीर का पूरा अंग क्षत विक्षत है । जिससे युवती की पहचान स्थानीय लोगों द्वारा कराने पर भी नहीं हो सका। पोस्टमार्टम उपरांत 72 घण्टे शव को पहचान के लिए थाना परिसर में रखा जायेगा।

छठ पूजा को लेकर डाकबंगला पर चार दिनों का मेला

दैनिक शुभ भाष्कर
सुनील कुमार मिश्र

औरंगाबाद। जिले के रफीगंज के डाकबंगला के मैदान में छठ पूजा के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी चार दिनों का मेला का आयोजन किया गया है।आयोजक सुरेश प्रजापति,सुनील मिश्र,मन्टू कुमार ने बताया कि इस वर्ष भी सूर्य प्रतिमा विशाल पंडाल में स्थापित कर पूजा-अर्चना की जायेगी। 7 नवम्बर से प्रारंभ होकर 10 नवम्बर तक मेला लगेगी । 11 नवम्बर को प्रतिमा विसर्जन काफी धुमधाम के साथ किया जायेगा ।डेहरी के मूर्ति कलाकार ललू जी एवं गया के कलाकार सुशील द्वारा पंडाल बनायी जा रही है। उन्होने बताया कि सदस्यो द्वारा धावा नदी पर छठव्रतियों का अर्घ देने के लिए साफ-सफाई की जा रही है। नदी मे इस बार पानी रहने के कारण समस्या नही है। नदी घाट तक और कई संस्थानों द्वारा भी सजावटे की की जायेगी। श्रद्धालूओ की हर सुविधा के लिये सदस्य तत्पर्य रहेगें।आजाद वीर संघ के सदस्य अनिल गौतम ,सरोज सिंह, अमरेन्द्र, मनोज खत्री, रंजीत, रोहन, आलोक चौधरी, अशोक प्रसाद, सुनील मिस्त्री, लक्ष्मी विश्वकर्मा, धिरज खत्री, सुरेंद्र मौर्य, अंकू, राकेश शर्मा, दिलीप अग्रवाल, विजय, सुबोध शर्मा, अंशू, विकास, रमेश, गोलू, शुभम, गोलू , अनीश, रोहित, दिलीप, सौरभ, संकेत, धनराज, सुशील सिंह, बब्लू विश्वकर्मा,रौशन,सुरज,उपस्थित थे।

शहरी क्षेत्र के 29 घाट पर होगा छठ, चेंजिंग रूम के साथ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

दैनिक शुभ भास्कर,

छपरा(बिहार)05 नवम्बर 2024:- छपरा शहरी क्षेत्र के 29 घाट पर नगर निगम द्वारा छठ की तैयारी की जा रही है। शहर से सटे 27 छठ घाट और शहर में दो सरोवर को छठ महापर्व के लिए चिह्नित किया गया है। जिसके तैयारी को लेकर नगर निगम द्वारा एक समिति बनाकर तमाम जरूरत के सुविधा का व्यवस्था किया जा रहा है। शहर के सटे दक्षिण दिशा में वार्ड 1 से लेकर 45 तक 27 घाट पर पूजा होना है। वही राजेन्द्र सरोवर और शाह बनवारी लाल सरोवर पर भी छठ पूजा का आयोजन होना है। सभी घाटों पर समुचित लाइट, चेंजिंग रूम, रास्ता और सुरक्षा का समुचित व्यवस्था किया जाना है। मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने बताया कि नगर निगम के तरफ से नदी तटीय क्षेत्र में 27 घाट और शहरी क्षेत्र में 2 घाट को चिह्नित किया गया है। नगर निगम क्षेत्र में कोई भी खतरनाक घाट नहीं है। सभी घाट पर स्वच्छता को लेकर सभी तरह समुचित व्यवस्था किया जा रहा है। पहली बार नदी में शहर के नाली का पानी नही गिरने दिया जा रहा है। नगर निगम क्षेत्र में नमामि गंगे परियोजना के मदद से सभी नाला के पानी को रोक दिया गया है। जिससे स्वच्छ और निर्मल गंगा जल में छठ पूजा सम्पन्न होगा। शहर के सबसे बड़े खनुआ नाला के पानी को भी फिल्टर प्लांट के माध्यम से रोक दिया गया है।

नवनिर्मित छठ घाट का उद्घाटन

सुनील कुमार मिश्र

औरंगाबाद। जिले के रफीगंज प्रखंड के भदवा मेला स्थित मदार नदी में मुखिया द्वारा छठ घाट का निर्माण किया गया। जिसका उद्घाटन मुखिया प्रमिला देवी, भाजपा नेता अवधेश सिंह, रविन्द्र मिश्रा, पिंटू सिंह, भानू प्रसाद गुप्ता, सुदय सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित एवं फीता काट कर किया। मंच का संचालन आचार्य रविन्द्र मिश्रा ने किया। मुखिया ने कहा कि इस छठ घाट के निर्माण हो जाने से छठ छठ व्रतियों को पूजा पाठ करने में काफी सुविधा होगी। इर अवसर पर संतोष सावं, कृष्णा सावं, चितरंजन कुमार, मो आरिफ, भीम शर्मा, अजीत कुमार के साथ अन्य लोग मौजूद थे।

आजकल पार्टियों में शॉर्टकट से सत्ता तक पहुंचने की होड़ लगी है - सलोप

- बेलागंज मे सलोप उम्मीदवार मुन्ना कुमार ने किया जन सम्पर्क ।
- जनहित में जिसने उचित कार्य किया है वहीं आगे भी करेगा ही और समस्याओं के निदान के लिए आपके साथ खड़ा भी होगा।

दैनिक शुभ भास्कर,
नवीन कुमार उपाध्याय , जिला संवाददाता

गया (बिहार) 05 नवंबर 2024 :- बिहार के बेलागंज विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में कितनी ही बड़ी और छोटी पार्टियों के बीच सलोप अर्थात समाजवादी लोक परिषद पार्टी ने भी अपना प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारा है जिसका नाम है मुन्ना कुमार। वर्तमान के चुनावी समर को लेकर जन सम्पर्क के दौरान सलोप के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमांशु शेखर ने बताया कि सलोप ने बहुत कम समय में बहुत सारी जमीनी समस्याओं के समाधान में सफलता पाई है जिसके लिए पार्टी ने पदयात्रा, आमरण अनशन, चक्का जाम, धरना आदि अनेक लोकतांत्रिक पद्धतियों का प्रयोग किया। आजकल पार्टियों में शॉर्टकट से सत्ता तक पहुंचने की होड़ लगी है जैसे साइबर स्नेचिंग से डाटा लीक कराकर कार्यकर्ताओं में सेंधमारी, मुफ्त रेवड़ियां बांटना, अनापशनाप आरोप और दावे, तथ्यों से छेड़छाड़ आदि। ऐसे में मतदाता भ्रमित होकर उचित चुनाव नहीं कर पाते हैं और अयोग्य जनप्रतिनिधि को झेलते रहते हैं। हमारा मतदाताओं से इतना ही निवेदन है कि लुभावने दावों और वादों की व्यावहारिकता को जांचकर ही निर्णय लें। आपका चुना चेहरा नया है या पुराना, आपकी चुनी पार्टी नई है या पुरानी, ये देखने के बजाय उनका जमीनी संघर्ष और उपलब्धि देखिए। यदि उसने पूर्व में जनहित में उचित कार्य किया है तो आगे भी करेगा ही और वही आपकी समस्याओं के निदान के लिए आपके साथ खड़ा भी होगा। पार्टी की प्रधान महासचिव ऋचा झा, राष्ट्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा, युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश मिश्रा,राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष रघुवंश मिश्र,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रानी मिश्रा,राष्ट्रीय कार्यकारिणी उपाध्यक्ष अनुराधा मिश्रा, व्यवसायिक प्र. राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री भावना, छात्र प्र.राष्ट्रीय अध्यक्ष निधि कुमारी,मगध प्रमंडल के उपाध्यक्ष विकास सिन्हा,मगध प्रमंडल उपसचिव, गया जिला सचिव मनीष कुमार आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

बीईटी की प्लेटिनम जुबली समारोह का आयोजन 15-17 तारीख को

दैनिक शुभ भास्कर
धनबाद झारखंड

5 तारीख को आयोजित एक प्रेस वार्ता में बीआईटी (बिरसा इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी) के डायरेक्टर ने यह बताया कि बीआईटी का प्लेटिनम जुबली समारोह 15, 16 और 17 नवंबर 2024 को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर बीआईटी के कई पूर्व छात्र (अलमुनाई) देश-विदेश से एकत्र होंगे और कॉलेज के विकास को लेकर उत्साह और गर्व का अनुभव करेंगे।

15, 16 और 17 नवंबर को होने वाले समारोह में कई आयोजनः इस प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम में कई विशेष सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इसमें बीआईटी के अलमुनाई के बीच नेटवर्किंग के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे, ताकि वे अपनी उपलब्धियों और अनुभवों को साझा कर सकें। डायरेक्टर ने कहा, "यह कार्यक्रम बीआईटी के सभी छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए एक शानदार अवसर होगा, जहां हम अपनी संस्थान की यात्रा का उत्सव मनाएंगे और भविष्य के लिए अपनी योजनाओं को साझा करेंगे।"

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजनः इस कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है, जिनमें नृत्य, संगीत, नाटक, और खेलों का आयोजन शामिल होगा। इसके अलावा, कॉलेज के छात्रों और पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाकर उनका उत्साहवर्धन करने के लिए कई प्रतियोगिताएँ और प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की जाएंगी। एल्युमिनाई व धनबाद चैप्टर के चितरंजन जी ने बताया कि यह कार्यक्रम न केवल बीआईटी के शिक्षाविदों के लिए बल्कि उनके परिवारों के लिए भी यादगार होगा।

बीईटी का गौरवमयी इतिहासः बीआईटी ने पिछले कई दशकों में न केवल शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है, बल्कि तकनीकी और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अपने विद्यार्थियों को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर किया है। यह प्लेटिनम जुबली समारोह इस संस्थान के गौरवमयी इतिहास को सम्मानित करने और भविष्य में आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने का एक अहम अवसर होगा।

पूर्व छात्रों की भागीदारीः बीआईटी के अलमुनाई पूरे भारत और विदेशों में फैले हुए हैं, और इस आयोजन में उनकी भागीदारी कार्यक्रम को और भी खास बना देगी।इस समारोह में बीआईटी के सबसे पुराने छात्र से लेकर नए स्नातकों तक सभी को आमंत्रित किया गया है। उनका मानना है कि यह आयोजन बीआईटी के परिवार को एकजुट करने का एक बेहतरीन मौका होगा।

समापनः बीआईटी के इस प्लेटिनम जुबली समारोह के जरिए कॉलेज अपनी जड़ों को और मजबूत करने के साथ-साथ अपने छात्रों के लिए नए अवसरों की शुरुआत करेगा। प्रोफेसर प्रकाश कुमार प्रोफेसर विजय पांडे प्रोफेसर एस सी दत्त प्रोफेसर रघुनाथ प्रोफेसर अकरम खान प्रोफेसर राजेंद्र मुर्मू ने सभी छात्रों, पूर्व छात्रों, और शिक्षकों से अपील की कि वे इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनें और इसे सफल बनाने में योगदान दें। समारोह की विस्तृत जानकारी और भागीदारी के लिए बीआईटी प्रशासन द्वारा एक विशेष पोर्टल और हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा। यह प्लेटिनम जुबली निश्चित रूप से बीआईटी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय होगा और इसकी यादें आने वाले वर्षों तक लोगों के दिलों में ताजा रहेंगी।

छठ पर्व को लेकर बाजार मे अत्यधिक भीड

सुनील कुमार मिश्र

औरंगाबाद। जिले के रफीगंज बाजार में छठ पूजा में खरीदारी के लिये काफी भीड है। साथ ही रफीगंज से इसी रास्ते से काफी संख्या में छोटी-बडी वाहनों से श्रद्धालू देव जा रहे है। कारण मुख्य पथ हमेशा जाम रह रही है। बढती भीड एवं जाम की समस्या को लेकर हर जगहों पुलिस बल की तैनाती की गयी है। थानाध्यक्ष गुफरान अली ने कहा कि यात्रियों की बढती भीड को लेकर हर जगहों पर निगरानी रखी जा रही है। गश्ती दल को चौकसी बरतने को कहा गया है।

नहाय-खाय के साथ सूर्योपासना और आस्था का महापर्व छठ शुरू

दैनिक शुभ भास्कर,

छपरा(बिहार)05 नवम्बर 2024:- नहाय खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत मंगलवार को हुई। पहले दिन छठव्रतियों ने नदी-तालाब में स्नान कर भगवान भास्कर की पूजा की। इसके बाद छठव्रतियों ने अपने घरों में प्रसाद के रूप में कद्दू और चने का दाल बनाया। छठ पूजा में शुद्धता का विशेष ख्याल रखा जाता है, ऐसे में प्रसाद को बहुत शुद्धता के साथ बनाकर पहले भगवान को भोग लगाया गया फिर छठव्रतियों ने प्रसाद ग्रहण की और श्रद्धालुओं में वितरण किया। छठ पूजा को लेकर घाटों पर विशेष तैयारी की गयी है। छठव्रती विनीता त्रिवेदी ने बताया कि छठ महापर्व का शुभारंभ हो गया है। पहला दिन नहाय खाय हैं,आज व्रतियों ने नदी मे स्नान किया है और भगवान सूर्य की पूजा भी की है। कल छठ महापर्व के दूसरे दिन खरना है। छठ सबसे पवित्र पर्व है, सच्चे मन से पूजा करने से सारी मनोकामना पूरी होती है।

जहरीली शराब कांड के बाद पुलिस कर रही शराब की तलाश, धंधेबाजों में हड़कंप

दैनिक शुभ भास्कर,

छपरा(बिहार)05 नवम्बर 2024:- जिले के मशरक थाना क्षेत्र में बीते दिनों जहरीली शराब कांड और मौतों के बाद अब पुलिस अलर्ट मोड में है। सारण पुलिस मशरक थाना क्षेत्र में शराब खोजबीन को लेकर श्वान दस्ता की मदद ले रही है। पुलिस श्वान दस्ता की मदद से मशरक थाना अंतर्गत बली विशुनपुरा, ब्राहिमपुर, गंडामण, बहुआरा, सिकटी, कर्ण कुदरिया आदि गांवों में छापेमारी अभियान चला रही है। मशरक थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि शराब पर रोक लगाने और शराब बरामदगी को लेकर छापेमारी अभियान चलाया गया। जिसमें पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहें। उन्होंने बताया कि शराब निर्माण, बेचना और पीना गैरकानूनी है,यदि कोई भी इस धंधे में संलिप्त हैं तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि छापेमारी अभियान के दौरान कुछ शराब धंधेबाजों की पहचान की गयी जिन पर जल्द ही कारवाई की जाएगी हालांकि इस क्रम में किसी तरह की बड़ी सफलता नही मिल सकी है, लेकिन शराब माफियाओं के बीच प्रशासन के इस कदम से हड़कंप जरूर मच गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस तरह की सख्ती आगे भी जारी रहेगी।

छठ पूजा पर रूपा देवी की अपीलः समाज में एकता और भाईचारा बढ़ाएं

दैनिक शुभ भास्कर ,ब्यूरो चीफ ,बोकारो (झारखंड) बोकारो में छठ पूजा के अवसर पर इंडियन सोशल फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य ललिता कुमारी ने जिला प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे जिला प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें और इस महापर्व को भाईचारे के साथ मनाएं। इंडियन सोशल फाउंडेशन संरक्षक जलेसर साव की धर्मपत्नी पूर्व मुखिया रूपा देवी ने हमारे भास्कर संवाददाता से कहा छठ पूजा खाश कर हमारे बिहार और झारखंड में मनाया जाने वाला मएक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो सूर्य देवता और छठी मैया को समर्पित है। यह पर्व स्वास्थ्य, समृद्धि और संतोष के लिए सूर्य देवता की आराधना करने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान भक्त उपवास रखते हैं और सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। उन्होंने पिछले वर्ष 2023 का तस्वीर दैनिक भास्कर को साझा किया। इंडियन सोशल फाऊंडेशन संरक्षक जलेसर साव ने हमारे संवाददाता से बात करते हुए कहा आज 5 नवंबर 2024 से नहाय-खाय के साथ छठ पर्व की शुरुआत हुआ और अगले 08 नवंबर 2024 को उगते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य देने के साथ व्रत का समापन होगा। छठ पूजा का आयोजन चार चरणों में होता हैः नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य। यह पर्व धार्मिक आस्था के साथ-साथ समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देता है। इसका इतिहास प्राचीन है और यह कई सदियों पुराना माना जाता है। आज भी, लोग इसे बड़े उत्साह और समर्पण के साथ मनाते हैं। छठ पूजा पर पूर्व मुखिया रूपा देवी ने अपील किया कि समाज में एकता और भाईचारा के साथ पर्व मनाएं।

छठ पर्व पर स्कूली छात्रों ने प्रस्तुत की आकर्षक झांकी

दैनिक शुभ भास्कर,

छपरा(बिहार)05 नवम्बर 2024:- अमनौर प्रखण्ड के रामवंती नंदरानी इंटरस्तरीय प्रोजेक्ट बालिका विद्यालय अपहर के प्रधानाचार्य विजयानंद पंडा एवं शिक्षिका संगीता सिंह की देखरेख में मंगलवार को छठ महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में अहम भूमिका निभाते हुए संगीत शिक्षक शशि भूषण सिंह ने अपने नेतृत्व में विद्यालय की छात्राओं के साथ मंच पर छठ गीत प्रस्तुत किये। विद्यालय की शिक्षिका बेबी जी के द्वारा बच्चों से झांकियां प्रस्तुत कराई गई जो काफी लुभावनी और सराहनीय थी। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की टोली माथे पर सजी हुई दउरा लेकर सड़क से होकर विद्यालय परिसर स्थित कृत्रिम घाट पर पहुंची। इस कार्यक्रम में अहम भूमिका निभाते हुए विद्यालय के शिक्षक रामचंद्र सर, पंकज कुमार,राजीव रंजन,आदित्य सिंह,अखिलेश पाठक,अनुपमा सिंह, मनीष चंद्रा, मुस्कान,आर्कमिडिज,तबस्सुम असमी खातून,दीक्षा राय, रजनीश तिवारी, बलराम ठाकुर ,श्रीकांत महतो ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंच का संचालन अखिलेश पाठक के द्वारा किया गया।

पर्याप्त नींद के बिना दीर्घकालीन और गंभीर समस्या महसूस हो सकती है

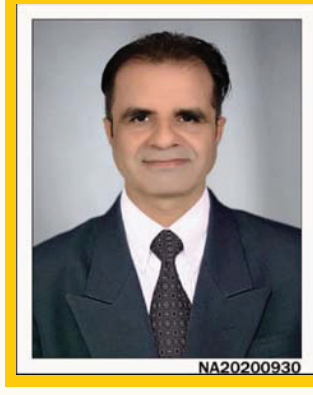

- आओ चैन की नींद सोएं - नींद उड़ी - सेहत बिगड़ी
- पर्याप्त नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को आराम देने की प्रक्रिया है, जो फ्रेश ऊर्जावान निरोगी और अच्छी याददाश्त का टॉनिक है -

दैनिक शुभ भास्कर

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी वैश्विक स्तरपर भारतीय संगीत गीत फिल्मों को करीब करीब पूरी दुनिया में पसंद किया जाता है। क्योंकि दुनिया में ऐसे कम ही देश होंगे, जहां मूल भारतीय ना बसते हों। भारतीय संगीत क्षेत्र सदियों पुराना मीठा सुरीला है। बस समय के साथ साथ उसमें परिवर्तन होते होते आज डिजिटल इंडिया में संगीत क्षेत्र में भी नया इतिहास रचा जा रहा है, जो तारीफ़ ए काबिल है। हम अगर संगीत क्षेत्र में उप शेत्र गीतों में गौर करेंगे तो हमें नींद पर अनेक गीत मिलेंगे जो न केवल दशकों पुराने भी हैं, परंतु विविधता में एकता याने हर भाषा क्षेत्र में हमें नींद के संबंधमें गीत जरूर मिलेंगे उसमें भी हमें प्रेम प्रसंग के ऊपर यह गीत अधिक मिलेंगे, जैसे 1960 के दशक का गीत कभी रहती थी आंखों में नींद अब बसते हैं सांवरिया, 1990 का मुझे नींद ना आए मुझे चैन ना आए न जाने कहां दिल खो गया, से लेकर अभी 2022 तक हमें ऐसे हजारों लाखों में गीत मिलेंगे जहां नींद खोने की का केंद्रीय मुद्दा है। उसी तरह कहावतों में भी हमें रातों की नींद उड़ गई जैसे अनेक किस्से कहानियां कहावतें मिलेगी! इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि पर्याप्त नींद के बिना दीर्घकालीन और गंभीर समस्याएं महसूस हो सकती है। पर्याप्त नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को आराम देने की प्रक्रिया है। पर्याप्त नींद फ्रेश ऊर्जावान और अच्छी यादाश्त का टॉनिक भी है।इसलिए आओ चैन की नींद सोए। साथियों बात अगर हम पर्याप्त नींद ना आने के कारणों की करें तो, आमतौर पर अनिद्रा का कारण तनाव व थकावट हो सकती है, लेकिन इसके कुछ निम्न कारण भी हो सकते हैं, हर रोज सोने के समय में बदलाव होना। दोपहर में सोना या झपकी लेना। सोते वक्त ज्यादा शोर होना या रूम में अधिक लाइट होना। व्यायाम न करना। सोते वक्त मोबाइल व टीवी जैसे उपकरणों का उपयोग करना। धूम्रपान करना। पूरे दिन कैफीन युक्त पदार्थों का अधिक सेवन करना। कुछ खास तरह की दवाइयों का सेवन करना।रात के वक्त काम करना। चिंता या तनाव। कुछ खास तरह के नींद संबंधी विकार।शरीर में कोई परेशानी होना या स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या होना जैसे - मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग, तनाव।जीवनशैली में बदलाव इत्यादि। अनिद्रा या उन्निद्र रोग (इनसॉम्निया) में रोगी को पर्याप्त और अटूट नींद नहीं आती, जिससे रोगी कोआवश्यकतानुसार विश्राम नहीं मिल पाता और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बहुधा थोड़ी सी अनिद्रा से रोगी के मन में चिंता उत्पन्न हो जाती है, जिससे रोग और भी बढ़ जाता है। स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त नींद सोना जरूरी है, लेकिन आजकल कई लोग अनिद्रा की समस्या से जूझ रहे हैं। इस बीमारी को अंग्रेजी में इंसोमनिया कहा जाता है। यह एक प्रकार का नींद संबंधी विकार है। इसमें व्यक्ति को सोने में असुविधा, नींद की कमी या नींद पूरी नहीं हो पाने की समस्या रहती है। ऐसा होने से स्वास्थ्य पर असर होता है और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। अनिद्रा के लक्षण यह भी हो सकते हैं, सोने की कोशिश करने पर भी नींद न आना, नींद आने पर भी थोड़ी देर में जागना या बार-बार नींद टूटने की शिकायत होना, नींद से उठने के बाद भी खुद को ताजा महसूस नहीं करना और सुस्ती आना, व्यक्ति खुद को अस्वस्थ महसूस करता है, अनिद्रा से ग्रस्त व्यक्ति हमेशा चिड़चिड़ा रहता है और बहुत जल्दी गुस्सा हो जाता है, अनिद्रा से ग्रस्त व्यक्ति को चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं जल्दी घेर लेती है। साथियों बात अगर हम पर्याप्त नींद ना करने के अल्पकालीन और दीर्घकालीन दुष्प्रभावों की करें तो, गहरी नींद नहीं होने से हम तनाव और मानसिक रोग के शिकार होते हैं, नींद पूरी नहीं होने से शरीर और दिमाग को आराम नहीं मिलता है जिससे बदन दर्द, अकड़न और थकावट जैसी परेशानी पैदा हो जाती है, अच्छी नींद नहीं होने पर पाचन तंत्र पर असर पड़ता है जिसके चलते कब्ज की समस्या होती है, पूरी नींद न लेने पर व्यक्ति किसी भी कार्य में एकाग्रचित्त नहीं हो पाता और उसकी स्मरणशक्ति कमजोर हो जाती है, नींद कम होने से व्यक्ति चिड़चिड़ा हो जाता है जिसके चलते छोटी-छोटी बातों पर भी क्रोधित हो जाता है जिसके चलते परिवार, समाज और ऑफिस में भी लोग उससे बात करने में संकोच करते हैं, नींद के अभाव के चलते थकान बनी रहती है और सिर हमेशा भारी रहता है, कम सोने वालों में कई बार वजन बढ़ने की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। नींद पूरी न होने के दीर्घकालिक दुष्प्रभाव - यदिहमर पर्याप्त नींद के बिना काम करना जारी रखते हैं, तो आपको दीर्घकालिक और गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं महसूस हो सकती हैं। नींद की कमी के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, दिल का दौरा, हार्ट फेलियर और कैंसर, स्ट्रोक तक का खतरा बढ़ जाता है। अन्य संभावित समस्याओं में मोटापा, अवसाद, प्रतिरक्षा प्रणाली की समस्या और सेक्स ड्राइव में कमी महसूस होते रहना भी शामिल है। साथियों बात अगर हम नींद की आवश्यकता की करें तो, संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को आराम देने की एक प्रक्रिया है, ताकि शरीर और मन ऊर्जा का संग्रह कर ले, और हम आगे के काम के लिए तैयार हो जाएं। इसलिए अच्छी और गहरी नींद के बाद हम काफी ऊर्जावान महसूस करते हैं, अगर किसी कारण से ये नींद पूरी नहीं होती है तो हम परेशान, चिड़चिड़े, आलस्य, और कमजोरी जैसी कई समस्याओं के आप शिकार हो जाते हैं। देखा जाए तो अनिद्रा कोई बीमारी नहीं है, यह एक जीवनशैली है।विशेषज्ञों की सलाह है? नींद पूरी करना सभी के लिए आवश्यक है, यदि हमको इसमें असहजता महसूस होती है तो डॉक्टर की मदद जरूर ले लें। अनिद्रा को इलाज के माध्यम से आसानी से ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा कुछ आसान से उपाय जैसे स्क्रीन टाइम को कम करना, रात में बेडरूम को शांत और अंधेरा रखना, मन को शांत करने के लिए अच्छे संगीत सुनना नींद प्राप्त करने में हमारे लिए सहायक हो सकता है। वयस्कों को रोजाना रात में 6-8 घंटे की निर्बाध नींद प्राप्त करने की सलाह दी जाती है। इसमें एक दिन भी होने वाली कमी हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, जिन लोगों की नींद पूरी नहीं हो पाती है, उन्हें अगले दिन थकान, सुस्ती, काम में मन न लगने जैसी कई तरह की दिक्कतें महसूस होती रह सकती हैं। इसी तरह अगर नींद पूरी न होने की समस्या दो-तीन दिन तक जारी रहती है तो इसके और भी कई प्रकार के शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभाव हो सकते हैं। साथियों बात अगर हम पर्याप्त नींद लेने के फायदों की करें तो, अच्छी नींद आने से हम ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल आदि से समस्या से बच सकते हैं। अच्छी नींद आने के बाद हम काफी फ्रेश और किसी भी काम में हम मजा लेते हैं, पर्याप्त नींद के बाद हम काफी ऊर्जावान महसूस करते हैं, पूरी नींद लेने वाले व्यक्तियों की याद्दाश्त काफी अच्छी होती जाती है, अच्छी नींद होने से हमारी एकाग्रता भी बढ़ती है, हमेशा पर्याप्त नींद लेने से व्यक्ति हमेशा तरो-ताजा महसूस करता और हमारे चेहरे पर नेचुरल मुस्कान बनी रहती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नींद उड़ी सेहत बिगड़ी। आओ चैन की नींद सोएं। नींद के बिना दीर्घकालीन और गंभीर समस्याएं महसूस हो सकती है। नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को आराम देने की प्रक्रिया है। पर्याप्त नींद फ्रेश ऊर्जावान और अच्छी यादाश्त का टॉनिक है।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

सिंदरी विधानसभा में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी चंद्र देव महतो के लिए धुआंधार चुनाव प्रचार जारी

दैनिक शुभ भास्कर
धनबाद झारखंड

सिंदरी। विधानसभा के चुनाव में भाकपा माले और महागठबंधन के प्रत्याशी चंद्र देव महतो को समर्थन देने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत सिंदूरपुर पंचायत के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क किया गया, जिसमें ग्राम चालधोवा, गोपीडीह, हुचुकटांड शामिल हैं। इस जनसंपर्क अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक मतदान करने के लिए लोगों को प्रेरित करना था। अलकडीहा मोदक बस्ती और अलकडीहा खटाल में पूर्व विधायक आनंद बाबू का जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। अलकडीहा गांव में माले के समर्थन में खड़े सैकड़ों युवा भी इस अभियान में शामिल हुए। पूर्व विधायक आनंद महतो ने अलकडीहा में सिंदरी विधानसभा इंडिया गठबंधन प्रत्याशी चंद्रदेव महतो के पक्ष में जनसंपर्क अभियान चलाया, जिसमें अमीर ठाकुर ने पूर्व विधायक को माला पहनाकर सैकड़ों युवाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। यह जनसंपर्क अभियान सिंदरी विधानसभा में ऐतिहासिक विजय दिलाने और अपने चाहते नेता को रांची विधानसभा भेजने के लिए महत्वपूर्ण है। इस अभियान में पूर्व विधायक आनंद महतो, झामुमो के वरिष्ठ नेता, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, भाकपा माले के युवा कार्यकर्ता, और इंडिया गठबंधन की महिला नेत्रियाँ शामिल हैं। प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी,अविनाश महतो, शीतल दत्ता, विजय राम, सुनील महतो, सत्येंद्र महतो, विजय मंडल ,संजय हसदा,दिलीप लॉय कृपा शंकर मिश्रा भीम गोप आमोद बावरी, जयपाल महतो, राजा रवानी,सुनील बावरी अनिल महतो मनजीत रंजीत विभूति प्रभास पाल हारु बावरी,अरविंद अर्जुन विकास आदि जैसे कई सक्रिय इंडिया गठबंधन के साथी इस अभियान में शामिल हैं।

पोस्टल बैलेट से हुआ मतदान शुरू

पाकुड़ः विधानसभा आम चुनाव 2024 कार्य में प्रतिनियुक्त मतदानकर्मियों और आवश्यक सेवाओं के मतदाता को पोस्टल बैलेट से मतदान करने हेतु मंगलवार को समाहरणालय में पोस्टल बैलेट से मतदान शुरू हुआ। प्रारंभ हुए मतदान में जिला के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सभी ने कहा कि पहले चुनाव में ड्यूटी रहने के कारण वोट दे नहीं पाते थे, विदित हो कि विधानसभा आम निर्वाचन के निमित्त प्रथम फेज में मतदान की तिथि 13 नवंबर 2024 वाले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के वैसे मतदाता जो विभिन्न निर्वाचन ड्यूटी में पाकुड़ जिले में पदस्थापित है। उनका मतदान पोस्टल बैलेट के माध्यम से आज प्रारंभ हुआ। पोस्टल बैलट से मतदान के लिए बनाए गए सुविधा केंद्र समाहरणालय का सामान्य प्रेक्षक लिट्टीपाड़ा, सामान्य प्रेक्षक पाकुड़ एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी व उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान के लिए कतारबद्ध तरीके से खड़े पदाधिकारियों एवं कर्मियों को शत प्रतिशत मतदान करने का अपील किया। इस पोस्टल बैलेट के कर्मियों को आयोग के निर्देशानुसार मतदान कार्य को पूरा करने की बात कहीं। मतदान करने के बाद सामान्य प्रेक्षकों, जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त ने उपहार देकर सम्मानित किया। मतदान के पश्चात जिले के पदाधिकारियों एवं कमियों ने उत्साहपूर्वक अपने सोशल मीडिया अकाउंट, व्हाट्सएप ग्रूप में फोटो डालकर मतदाताओं से 20 नवंबर को वोट करने की अपील भी कर रहे हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सामग्री कोषांग का किया निरीक्षण

पाकुड़ः जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार एवं उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने मंगलवार को समाहरणालय के निचले तलें में बनें सामग्री कोषांग का निरीक्षण किया। यहां के कामकाज को देखा अधिकारियों तथा कर्मियों को पूरी सावधानी से काम करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि चुनाव के लिए अगर किसी सामग्री की कमी है तो फिर इसकी सूची बनाकर निर्वाचन शाखा को सौंपे। वहां से सामग्री की आपूर्ति कर दी जाएगी।मतदानकर्मियों के लिए जरूरी सामान की पैकेजिंग के बारे में भी उन्होंने जानकारी ली। पूरी लगन के साथ बगैर किसी कोताही के काम करने का निर्देश दिया गया। मौके पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक एवं सामग्री कोषांग के कर्मी उपस्थित थे।

मतदान कर्मियों का हुआ दूसरा रेंडमाइजेशन

पाकुड़ः विधानसभा आम चुनाव 2024 के लिए समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त 04- लिट्टीपाड़ा के जितेन्द्र कुमार शुक्ला, सामान्य प्रेक्षक, 05-पाकुड़ विधानसभा युगल किशोर पंत सामान्य प्रेक्षक एवं 06- महेशपुर विधानसभा शंभुगा सुंदरम सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति में मतदान कर्मियों का दूसरा रेंडमाइजेशन हुआ। इस दौरान निर्वाचन आयोग के विशेष साफ्टवेयर से सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए रेंडमाइजेशन कराते हुए मतदान दल बनाए गए। विदित हो कि प्रथम रेंडमाइजेशन में निर्वाचन में कार्य करने वाले कर्मचारियों का चयन हुआ था। इसके बाद अब जिले के सभी 1014 मतदान केंद्रों के लिए विधानसभावार मतदान दल गठित किए गए। तीसरे रेंडमाइजेशन में मतदान दलों के लिए मतदान केंद्र निर्धारित किए जाएंगे। उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सह निर्वाची पदाधिकारी पाकुड़, अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाची पदाधिकारी लिट्टीपाड़ा, भूमि सुधार उप समाहर्ता सह निर्वाची पदाधिकारी महेशपुर, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, संबंधित विभाग व कोषांग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

55 छठव्रतियों को व्याहुत समाज ने बांटें पूजन सामग्री

पाकुड़ः मंगलवार को स्थानीय व्याहुत विवाह भवन पाकुड़ में ब्याहुत कलवार समाज पाकुड़ के अध्यक्ष अशोक कुमार भगत (भगत पाड़ा) सचिव अशोक कुमार भगत (फाटक पार) के अध्यक्षता में कुलदेवता भगवान बलभद्र के तस्वीर में पुष्प एवं दीप प्रज्वलित कर आरती किया गया। तत्पश्चात विवाह भवन परिसर में ब्याहुत समाज की ओर से 55 निर्धन गरीब छठवर्ती माता बहन को बांस की डाला सूप, नारियल, साड़ी, शुद्ध घी, धूप, दीप तथा अन्य पूजन सामग्री निशुल्क वितरण किया गया। कलवार संघ पाकुड़ के अध्यक्ष अशोक कुमार भगत ने बताया कि पिछले 1977 से निर्धन सामान्य छठ व्रतत्तियों को समाज की ओर से यह सेवा दी जा रही है आगे भी दी जाती रहेगी।सचिव अशोक भगत ने कहा कि इस वर्ष 55 छठव्रतियों को छठ पूजन सामग्री दिया गया है ताकि गरीब छठ वर्तियों को कठिनाई का सामना न करना पड़े । अगले वर्ष इसकी संख्या और बढ़ने की संभावना है। मौके पर मुख्य रूप से महासचिव विश्वनाथ भगत,अध्यक्ष अशोक कुमार भगत, सचिव अशोक कुमार भगत, कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार भगत , राजेंद्र भगत, मुन्ना भगत,डॉ श्याम प्रसाद भगत, बद्री प्रसाद भगत, जगदीश प्रसाद भगत, कैलाश प्रसाद भगत तारकेश्वर भगत, संजय भगत, गौरी शंकर भगत,प्रीतम भगत, विनय भगत, काली शंकर भगत, ललन भगत, संजय भगत , उत्तम भगत, गोपाल भगत, रोहित भगत रमेश भगत कृष्ण भगत प्रमिला भगत रश्मि देवीआदि आदि ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अथक प्रयास रहा।

नमः आंखों से दी माॅ की विदाई

पाकुड़ः शहर के अन्नपूर्णा कॉलोनी स्थित काली मंदिर में सोमवार की शाम को माँ काली को नमः आंखों से विदाई दी गई। विसर्जन जुलूस मंदिर परिसर से निकलकर अन्नपूर्णा कॉलोनी, अम्बेडकर चौक आदि जगहों का भ्रमण कर कालीभाषण पहुंची। जहां पर विधि विधान के साथ माँ के प्रतिमा का विर्सजन किया गया। विसर्जन जुलूस के दौरान माँ के जयकारे से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। जुलूस में काफी संख्या में महिला व पुरुष भक्त शामिल हुए। मौके पर रंजीत कुमार चौबे, राकेश सिंह, सुजीत विद्यार्थी, अभिषेक कुमार यादव, बिक्की कुमार, अमर ठाकुर सहित कन्य मौजूद थे।

रालोजपा ने निर्दलीय प्रत्याशी शंभू भगत को समर्थन देने का किया एलान

पाकुड़ः एनडीए के घटक दल माने जाने वाले राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी ने अंततः पाकुड़ विधानसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी शंभू भगत को समर्थन देने का फैसला किया। इस दौरान राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह के साथ उनके सैकड़ों कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह ने शंभू भगत को पूष गुच्छ देकर सम्मानित किया। हरिणडांगा बाजार स्थित कुमार निवास में आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में रालोजपा के जिलाध्यक्ष ने कहा कि इस चुनाव में एनडीए के द्वारा बार-बार घटक दलों को नजरंदाज किया गया, ना तो किसी बैठक की सूचना दी जाती थी और ना ही किसी कार्यक्रम की जानकारी घटक दलों को दी जाती है। इसलिए रालोजपा की पूरी टीम ने इस बार निर्दलीय प्रत्याशी शंभू भगत को समर्थन देने का फैसला किया। ताकि गरीब किसान मजदूर कमजोर वर्ग समाज के अंतिम व्यक्ति दलित समुदाय के हित में काम करने वाली रालोजपा की आवाज और भी बुलंद हो सके । निर्दलीय प्रत्याशी शंभू भगत ने बताया कि इस चुनाव में उनका मुख्य मुद्दा खाकी व खादी के बीच मौजूद भ्रष्टाचार के गठजोड़ को छिन्न-भिन्न करना है। पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में विकास हो सड़क बिजली पानी समस्या का निदान कारवाई गी तथा महंगाई से निजात दिलाएगी धन्यवाद रालोसपा जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह व शंभू भगत ने बताया कि उनकी अब तक की संघर्ष की कहानी ही भ्रष्टाचार को खत्म करने की दिबानगी व पहचान रही है ।

भारत की आर्थिक बदहाली

असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढ़ती ही जाएगी। भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता इतनी कमजोर क्यों है कि हर व्यापार मुकाबले में वह पिट जाती है? देश सही दिमागी हालत में हो तो इस सवाल से उसकी नींद उड़ जानी चाहिए। बहुपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों से भारत को नुकसान की आशंका से ग्रस्त नरेंद्र मोदी सरकार ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक पार्टनरशिप (आरसीईपी) करार से अंतिम मौके पर खुद को अलग कर लिया था। तब हौव्वा बनाया गया कि ऐसा समझौते में शामिल अन्य देशों के रास्ते चीन की उत्पादों डंपिंग से बचने के लिए किया गया। उसके बाद मोदी सरकार ने द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों का रास्ता अपनाया। यूएई, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन आदि से ऐसे करार हुए। ब्रिटेन सहित कई देशों से द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत चल रही थी। मगर अब अचानक सरकार ने ऐसी सभी वार्ताओं पर विराम लगाने का फैसला किया है। वजह हाल के वर्षों में हुए सभी ऐसे समझौतों से भारत को हो रहे बड़े व्यापार घाटे को बताया गया है। साथ ही सरकार ने 2010 में आसियान से हुए करार का भी जिक्र किया है, जिसकी वजह से भारत को लगातार व्यापार घाटा हुआ है। कहा जाता है कि उसके परिणामस्वरूप कई भारतीय कारोबार तबाह हो गए। मोदी सरकार ने आसियान से कई बार इस समझौते पर पुनर्विचार को कहा है, जिसे उसे स्वीकार नहीं किया है। इस बीच यूएई से हुए बहुचर्चित करार के बारे में सामने आया है कि इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में वहां से आयात 52 फीसदी बढ़ा, जबकि निर्यात में सिर्फ 11.45 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इसके अतिरिक्त एक नई चिंता यह पैदा हुई है कि इन समझौतों के कारण भारतीय निवेशकों को वहां जाकर निवेश करने के अवसर मिले हैं, जिसका वे खूब लाभ उठा रहे हैं। जबकि भारत को खुद बड़े निवेश की आवश्यकता है। यानी नुकसान ही नुकसान! तो अब खुशफहमियों से निकलने की जरूरत है। असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढ़ती ही जाएगी।

आतंकवाद वर्तमान विश्व की एक बड़ी समस्या

एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए। मिथक हिंदू/भगवा आतंकवाद सिद्धांत कितनी बड़ी साजिश थी, उसका फिर खुलासा पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे के एक दावे से हो जाता है। एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए। यह किसी से छिपा नहीं है कि कांग्रेस में पार्टी का अर्थ गांधी परिवार (सोनिया-राहुल-प्रियंका) है। यह चिंतन उस मानसिकता की उपज है, जिसमें इस्लामी आतंकवाद को प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जायज ठहराने के लिए हिंदू आतंकवाद रूपी छलावा खड़ा किया गया था। इस साजिश में वामपंथियों और कट्टरपंथी मुस्लिमों के साथ कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी शामिल था। शिंदे के हालिया कबूलनामे से वह कड़वा सच भी एकाएक ध्यान में आता है कि ज्ञान-विज्ञान और पराक्रम जैसे गुणों से सुशोभित होते हुए भी भारत मध्यकाल में लगभग 600 वर्षों तक मुस्लिम और फिर 200 सालों तक अंग्रेजों के अधीन क्यों हो गया था। इतिहास साक्षी है कि यदि व्यक्तिगत खुन्नस के कारण जयचंद, पृथ्वीराज चौहान को धोखा नहीं देता, तो विदेशी आक्रांता मुहम्मद गौरी नहीं जीतता। इसी तरह यदि शाह वलीउल्लाह मराठाओं के खिलाफ अफगान अब्दाली को भारत नहीं बुलाता और प्लासी की लड़ाई में मीर जाफर यदि सिराजुद्दौला को न छलता, तो भारत में अंग्रेजी साम्राज्य संभवतः स्थापित ही नहीं होता। कांग्रेस नीत यूपीए (वर्तमान आईएनडीआईए) कार्यकाल में उसी काले इतिहास को दोहराया गया था। व्यक्तिगत, राजनीतिक और वैचारिक विरोध के चलते हिंदू/भगवा आतंकवाद शब्दावली की रचना कर दुनिया में भारत, हिंदू समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा और अन्य संगठनों को कलंकित करने का जाल बुना गया। इसकी जड़े 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध (12) बम धमाके में मिलती है, जिसमें 257 निरपराध मारे गए थे। तब महाराष्ट्र के तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री शरद पवार ने आतंकियों की मजहबी पहचान और उद्देश्य से ध्यान भटकाने हेतु झूठ गढ़ दिया कि 13वां धमाका मस्जिद के पास हुआ था। यह प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से हिंदुओं को आतंकवाद से जोडने का प्रयास था। इसी चिंतन को यूपीए-काल (2004-14) में राहुल गांधी के साथ पी।चिदंबरम और सुशील कुमार शिंदे ने बतौर केंद्रीय गृहमंत्री आगे बढ़ाया था। हद तो तब हो गई, जब कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने वर्ष 2008 के भीषण मुंबई 26/11 आतंकवादी हमले के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हाथ बता दिया। यहां तक, दिग्विजय ने इसी हमले में जिहादियों की गोलियों के शिकार हुए मुंबई आतंक निरोधक दस्ते के तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे की मौत को हिंदूवादी संगठनों से जोडने का प्रयास किया था। इस संबंध में तब पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा हाथों में पवित्र कलावा/मौली को आधार बनाकर कई समाचारपत्रों में आलेख तक प्रकाशित हुए थे। सोचिए, यदि आतंकी कसाब और डेविड हेडली (दाऊद सैयद गिलानी) के जीवित नहीं पकड़े जाते, तो क्या होता? वास्तव में, यह हिंसा-घृणा के पीड़ितों को अपराधी और दोषियों को मासूम बताने की सेकुलरवादी (लेफ्ट-लिबरल सहित) साजिश है। 14 फरवरी 1998 को कोयंबटूर में श्रंखलाबद्ध 12 बम धमाकों हुए थे, जिसमें 58 बेकसूरों की मौत हो गई। आतंकवादियों का मुख्य निशाना भाजपा के शीर्ष नेता लालकृष्ण आडवाणी थे, जिन्हें तब चुनाव प्रचार के हेतु कोयंबटूर आना था। परंतु विमान परिचालन में देरी से उनकी जान बच गई। तब कांग्रेस के तत्कालीन शीर्ष नेतृत्व ने न केवल इन बम धमाकों का आरोप संघ पर लगा दिया, बल्कि यहां तक कह दिया— अगर बम भाजपा के अलावा किसी और ने लगाया होता, तो ऐसा करने वाले ने निश्चित रूप से आडवाणी को मार देते।

सूर्य उपासना का पर्व है छठ पूजा

रमेश सर्राफ धमोरा

ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। इस कारण शास्त्रों में सूर्य को भगवान मानते हैं। सूर्य के बिना कुछ दिन रहने की जरा कल्पना कीजिए। इनका जीवन के लिए इनका रोज उदित होना जरूरी है। कुछ इसी तरह की परिकल्पना के साथ पूर्वोत्तर भारत के लोग छठ महोत्सव के रूप में इनकी आराधना करते हैं। छठ पूजा हिन्दुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। सामान्यता यह त्योहार बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर-प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा को महापर्व घोषित कर छठ पूजा के दिन सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है। छठ पूजा का महत्व बहुत ज्यादा है। यह व्रत सूर्य भगवान, उषा, प्रकृति, जल, वायु आदि को समर्पित है। इस व्रत को करने से निःसंतान दंपत्तियों को संतान सुख प्राप्त होता है। छठ पर्व को किसने शुरू किया इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियां प्रचलित हैं। लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशिर्वाद प्राप्त किया था। इसी के उपलक्ष्य में छठ पूजा की जाती है। छठ पूजा भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है। भारत में सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है। हिंदुओं के सबसे बड़े पर्व दीपावली को पर्वों की माला माना जाता है। पांच दिन तक चलने वाले ये पर्व छठ पूजा तक चलते है। उत्तर प्रदेश और बिहार में मनाया जाने वाला यह बेहद अहम पर्व है जो पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। छठ पूजा केवल पर्व नहीं है बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिन तक चलता है। नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य देने तक चलने वाले इस पर्व का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है। हमारे देश में सूर्य उपासना के कई प्रसिद्ध लोकपर्व हैं जो अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। सूर्य षष्ठी के महत्व को देखते हुए इस पर्व को सूर्य छठ या डाला छठ के नाम से संबोधित किया जाता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नेपाल की तराई समेत देश के उन तमाम महानगरों में मनाया जाता है। जहां-जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। यही नहीं, मॉरिशस, त्रिनिडाड, सुमात्रा, जावा समेत विदेशों में भी भारतीय मूल के प्रवासी छठ पर्व को बड़ी आस्था और धूमधाम से मनाते हैं। डूबते सूर्य की विशेष पूजा ही छठ का पर्व है। चढ़ते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं। छठ पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में चार दिन का व्रत रखा जाता है। यह व्रत भैया दूज के तीसरे दिन यानि शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाते हैं। व्रत के पहले दिन को नहा-खा कहते हैं। जिसका शाब्दिक अर्थ है स्नान के बाद खाना। इस दिन पवित्र नदी में श्रद्धालु स्नान करते हैं। वैसे तो यह पर्व मूल रूप से गृहिणियों द्वारा मनाया जाता है। लेकिन आजकल पुरुष भी इसमें समान रूप से सहयोग देते हैं। छठ का पौराणिक महत्व अनादिकाल से बना हुआ है। रामायण काल में सीता ने गंगा तट पर छठ पूजा की थी। महाभारत काल में कुंती ने भी सरस्वती नदी के तट पर सूर्य पूजा की थी। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें पांडवों जैसे पुत्रों का सुख मिला था। द्रौपदी ने भी हस्तिनापुर से निकल कर गढ़ गंगा में छठ पूजा की थी। छठ पूजा का सम्बंध हठयोग से भी है। जिसमें बिना भोजन ग्रहण किए हुए लगातार पानी में खड़ा रहना पड़ता है। जिससे शरीर के अशुद्ध जीवाणु परास्त हो जाते हैं। छठ पर्व की परम्परा में वैज्ञानिक और ज्योतिषीय महत्व भी छिपा हुआ है। षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर है। जिस समय धरती के दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य रहता है और दक्षिणायन के सूर्य की अल्ट्रावॉइलट किरणें धरती पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। इन दूषित किरणों का सीधा प्रभाव जनसाधारण की आंखों, पेट, त्वचा आदि पर पड़ता है। इस पर्व के पालन से सूर्य प्रकाश की इन पराबैंगनी किरणों से जनसाधारण को हानि न पहुंचे। इस अभिप्राय से सूर्य पूजा का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। इसके साथ ही घर-परिवार की सुख- समृद्धि और आरोग्यता से भी छठ पूजा का व्रत जुड़ा हुआ है। इस व्रत का मुख्य उद्देश्य पति, पत्नी, पुत्र, पौत्र सहित सभी परिजनों के लिए मंगल कामना से भी जुड़ा हुआ है। लोक परम्परा के मुताबिक सूर्य देव और छठी मईया का संबंध भाई-बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई। छठ पूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोक गाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत

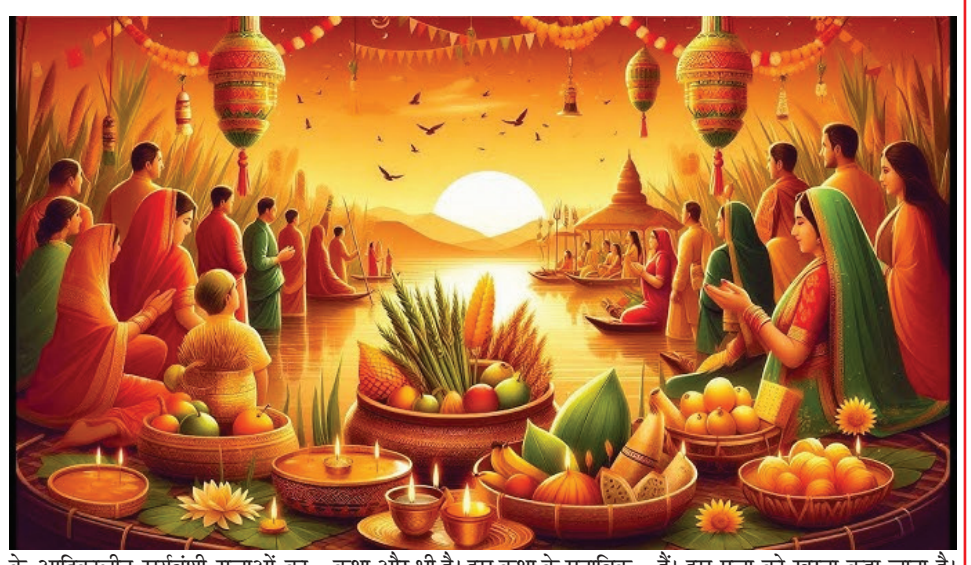

के आदिकालीन सूर्यवंशी राजाओं का यह मुख्य पर्व था। छठ के साथ स्कंद पूजा की भी परम्परा जुड़ी है। भगवान शिव के तेज से उत्पन्न बालक स्कंद की छह कृतिकाओं ने स्तनपान करा रक्षा की थी। इसी कारण स्कंद के छह मुख हैं और उन्हें कार्तिकेय नाम से पुकारा जाने लगा। कार्तिक से संबंध होने के कारण षष्ठी देवी को स्कंद की पत्नी देवसेना नाम से भी पूजा जाने लगा। एक मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में हुई थी। जिसकी शुरुआत सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है। छठ पर्व के बारे मे एक कथा और भी है। इस कथा के मुताबिक जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब दौपदी ने छठ व्रत रखा था। इस व्रत से उनकी मनोकामना पूरी हुई थी और पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया था। महापर्व छठ हिंदू धर्म में एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें ना केवल उदयाचल सूर्य की पूजा की जाती है बल्कि अस्ताचलगामी सूर्य को भी पूजा जाता है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है। पर्व का प्रारंभ नहाय-खाय से होता है, जिस दिन व्रती स्नान कर अरवा चावल, चना दाल और कद्दू की सब्जी का भोजन करते हैं। नहाय-खाय के दूसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी के दिनभर व्रती उपवास कर शाम में रोटी और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस पूजा को खरना कहा जाता है। इसके अगले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को उपवास रखकर शाम को अस्ताचल गामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। अगले दिन यानी सप्तमी तिथि को सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करके व्रत तोड़ा जाता है। छठ पूजा के व्रत को जो भी रखता है। वह इन दिनों में जल भी नहीं ग्रहण करता है। इस व्रत को करने से सुख-समृद्धि और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इसमें मुख्य रूप से सूर्य देवता की पूजा की जाती है लेकिन सूर्य देव की बहन छठ देवी की भी पूजा की जाती है। जिसके कारण इस पूजा का नाम छठ पूजा पड़ा। इस दिन नदी के तट में पहुंचकर पुरुष और महिलाएं पूजा-पाठ करते हैं। साथ ही छठ माता की पूजा को आपके संतान के लिए भी कल्याणकारी होती है।

राहुल मनुस्मृति के बारे गांधी के विचारों को नहीं पढ़ा

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों झारखंड की राजधानी रांची में संविधान के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में देश में कथित तौर पर चल रहे वैचारिक संघर्ष को प्रतीकित करने वाली दो बातें कहीं। पहली, मनुस्मृति संविधान विरोधी है। यह एकदम बेतुकी बात है क्योंकि दो विचारों को एक दूसरे का विरोधी तभी कहा जा सकता है, जब वे समकालीन हों और एक साथ चलन में हों। दूसरी, मनुस्मृति और संविधान के बीच दशकों से संघर्ष चल रहा है। सवाल है कि क्या सचमुच इस तरह का कोई वैचारिक संघर्ष धरातल पर चल रहा है? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जब देश 75 साल से संविधान के आधार पर चल रहा है, जिसमें से 55 साल के करीब कांग्रेस सत्ता में रही है और उसमें भी 38 साल राहुल गांधी के परनाना, दादी और पिता ही प्रधानमंत्री रहे तो अब मनस्मृति से देश चलने की बात कहां से आ गई?इस सदी में 10 साल कांग्रेस का शासन था और तब राहुल गांधी भी सांसद थे क्या तब भी मनुस्मृति और संविधान में संघर्ष चल रहा था? अगर चल रहा था तो राहुल गांधी या कांग्रेस के किसी भी नेता ने 10 साल में एक बार भी इसका जिक्र क्यों नहीं किया और अब अचानक राहुल गांधी इसे लेकर क्यों इतने मुखर हो गए हैं? जाहिर है राहुल गांधी को न तो मनुस्मृति से कोई मतलब है और न संविधान से। उनको सत्ता की राजनीति से मतलब है। होना भी चाहिए क्योंकि वे कोई संत, महात्मा या दार्शनिक तो हैं नहीं। वे नेता हैं और नेता की ही तरह काम करते हैं। लेकिन सत्ता हासिल करने की बेचैनी में वे जो बातें कह रहे हैं उनसे देश और समाज का कोई भला नहीं हो रहा है। संविधान और कानून के शासन वाले देश में वे जबरदस्ती मनुस्मृति की बात करके सामाजिक विभाजन बढ़ाने का खतरनाक प्रयास कर रहे हैं। वास्तविकता यह है कि इस देश में मनुस्मृति कोई नहीं पढ़ता है। खुद राहुल गांधी ने भी उसका एक भी पन्ना नहीं पढ़ा होगा। उनको पता भी नहीं होगा कि मनुस्मृति के कितने संस्करण मौजूद हैं और उनमें से कोई भी असली नहीं है। वे शायद यह भी नहीं जानते होंगे कि सोशल मीडिया में मनुस्मृति के नाम से जितनी बातें वायरल होती हैं उनमें से ज्यादातर बातें उस ग्रंथ में नहीं लिखी हैं। मनुस्मृति के की जो बातें सोशल मीडिया में प्रचारित होती हैं उनका असली मकसद सामाजिक विद्वेष बढ़ाना और राजनीतिक लाभ लेना होता है। वह देश में एक नया नैरेटिव सेट करने का टूलकिट है, जिसके पीछे बड़ा खेल हो सकता है। जरूरी नहीं है कि जिस हैंडल या अकाउंट से इसे प्रचारित किया जाता है उसके पीछे कोई पिछड़ा, दलित या कोई प्रगतिशील चेहरा हो। लेकिन वह अलग बहस और चिंता का विषय है। अभी इस सवाल पर विचार करने की जरुरत है कि क्या सचमुच इस देश में मनुस्मृति और संविधान को लेकर कोई संघर्ष चल रहा है? धरातल पर तो ऐसा कोई संघर्ष देखने को नहीं मिलता है। इसकी पड़ताल करने के लिए कहीं भी 10 लोगों से मनुस्मृति के बारे में पूछा जा सकता है। ज्यादातर लोगों ने इस ग्रंथ का नाम नहीं सुना होगा और सुना भी होगा तो उसके बारे में कोई जानकारी नहीं होगी। हां, यह जरूर है कि भारत में समाज के संचालन के जो नियम बने उनका एक बड़ा हिस्सा मनुस्मृति की बातों पर आधारित है। लेकिन यह काम 10 या 20 साल पहले या सौ दो सौ साल पहले नहीं हुआ है, बल्कि हजारों साल पहले हुआ और समय के साथ उसमें बदलाव आता गया। यह भी सही है कि अंग्रेजों ने बांटो और राज करो की अपनी नीति के तहत इसे आधार बना कर कुछ कानून बनाए। लेकिन आजादी मिलने और संविधान लागू होने के बाद तो सारी चीजें बदल गईं। अब निजी, पारिवारिक या धार्मिक कार्यक्रमों में वेद या मनुस्मृति की कुछ बातों का पालन होता हो तो अलग बात है लेकिन सार्वजनिक जीवन में या सरकार के कामकाज में मनुस्मृति की किसी भी बात का प्रयोग नहीं होता है। मनुस्मृति का सिर्फ इतना ही मतलब है कि इस ग्रंथ ने प्राचीन भारत के हमारे पूर्वजों को एक रास्ता दिखाया था। यह बताया था कि समाज के संचालन के लिए एक संहिता की जरुरत होती है। यह ठीक उसी तरह था, जैसे मध्य पूर्व में हम्मूराबी की संहिता बनी थी। यह वो समय था, जब समाज को संचालित या नियंत्रित करने के लिए कोई नियम या कानून नहीं थे। उस समय जो सामाजिक व्यवस्था मौजूद थी उसे देखते हुए एक संहिता बनाई गई थी, जिसे लेकर यह विवाद है कि इसे स्वंयभू मनु ने बनाई या भृगु ऋषि ने बनाई, इसे एक व्यक्ति ने लिखा या कई व्यक्तियों ने लिखा और एक बार लिखे जाने के बाद सदियों तक इसमें कुछ चीजें जोड़ी जाती रहीं। लेकिन जिसने भी बनाई उसने अपने समय की वास्तविकताओं और जरुरतों के हिसाब से इसे बनाया, जिसका मकसद समाज में व्यवस्था बहाल करना था। एक बार संहिता बन जाने के बाद आगे आने वाली पीढ़ियों की जिम्मेदारी थी कि वे समय की जरुरतों के हिसाब से इसमें सुधार करें या इसे पूरी तरह से खारिज करके नई संहिता बनाएं। भारत में भी तमाम सुधार और बदलाव हुए। इसके बावजूद अगर कुछ चीजें समाज में ऐसी मौजूद हैं, जिनके बीज मनुस्मृति में थे तो वह ग्रंथ लिखने वाले की नहीं, बल्कि समाज की कमी है। सोचें, महज 75 साल पहले बने संविधान में एक सौ से ज्यादा बदलाव हो चुके हैं। बदलते हुए समय की जरुरतों के हिसाब से संविधान को बदला जाता है। लेकिन जब भी संविधान का कोई प्रावधान बदला जाता है तो क्या संविधान बनाने वालों को गालियां दी जाती हैं? उनकी लिखी कोई बात अगर समय की कसौटी पर सही नहीं उतरी तब भी वे सम्मानीय हैं क्योंकि उन्होंने अपने समय की जरुरत के हिसाब से उसे लिखा था। इसी तर्क से मनुस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को सम्मान क्यों नहीं दिया जाना चाहिए? उन्होंने यह रास्ता दिखाया कि समाज को संचालित और नियंत्रित करने के लिए एक संहिता की जरुरत है, क्या इसके लिए वे सम्मान के पात्र नहीं हैं? इस ग्रंथ में कई बातें मानवाधिकार, स्त्री अधिकार, बाल अधिकार आदि की अवधारणा के अनुकूल नहीं हैं या विरोधाभासी हैं। लेकिन ये अवधारणाएं तो एक सदी पुरानी भी नहीं हैं। इनकी कसौटी बना कर करीब दो सहस्त्राब्दी पहले लिखे गए ग्रंथ का आकलन कैसे किया जा सकता है? हम्मूराबी की संहिता में भी सैकड़ों ऐसी चीजें हैं, जो आधुनिक अवधारणों की कसौटी पर बहुत खराब हैं। लेकिन इस आधार पर तो हम्मूराबी संहिता लिखने वाले को गाली नहीं दी जाती है। फिर मनुस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को गाली देने का क्या मतलब है? इनके लेखकों ने दुनिया को रास्ता दिखाया है। इन दोनों ग्रंथों का मानव सभ्यता के इतिहास में वही स्थान है, जो आग और पहिए के आविष्कार का है। सोचें, हमारे पूर्वजों ने कैसे पत्थरों को आड़ा तिरछा काट कर पहला पहिया बनाया था और आज हम मिशेलिन टायर्स बना रहे हैं तो क्या हम अपने पूर्वजों को गाली देते हैं कि उन्होंने कैसा पहिया बनाया था?

मेष : जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपये पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा।

शुभांक-2-4-6

वृष : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

शुभांक-3-4-5

मिथुन : बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

शुभांक-2-4-5

कर्क : शत्रुभय, चिंताए संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। खान-पान में सावधानी रखें।

शुभांक-4-6-7

सिंह : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

शुभांक-4-6-8

कन्या: शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें।

शुभांक-2-5-7

तुला : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

शुभांक-2-4-6

धनु : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

शुभांक-4-6-8

मकर : कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

शुभांक-6-7-9

कुंभ : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी।

शुभांक-3-5-7

मीन : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

शुभांक-2-4-6

शब्द सामर्थ्य -227

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

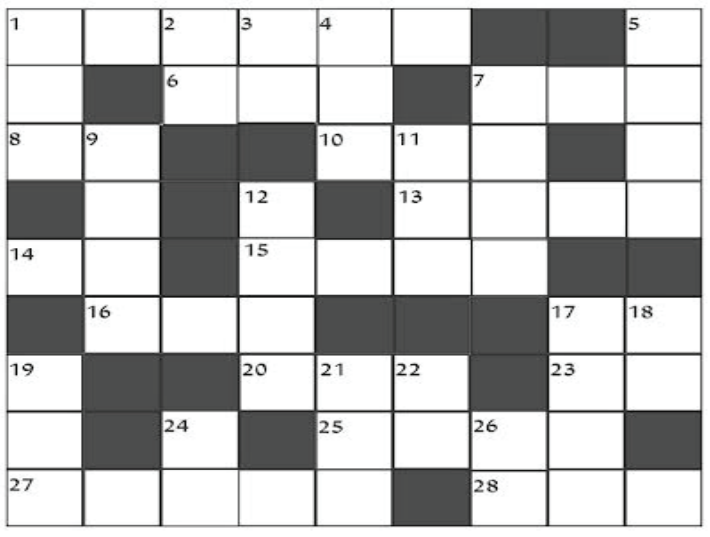

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 226 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

प्रमुख छठ घाटों पर एंबुलेंस व जीवन रक्षक दवाओं के साथ मेडिकल टीम रहेगी तैनात

आपात स्थिति से निपटने के लिये स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम रहेगी अलर्ट मोड पर

अररिया । छठ महापर्व के दौरान जिले में स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड पर रहेगा। प्रमुख छठ घाटों पर एंबुलेंस और जीवन रक्षक दवाओं से लैस विशेष मेडिकल टीम तैनात रहेगी। इसके साथ ही, चलंत चिकित्सा दल भी सक्रिय रहेगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति से त्वरित निपटा जा सके। सिविल सर्जन डॉ. केके कश्यप ने इस दौरान विशेष एहतियात बरतने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सभी पीएचसी चिकित्सा पदाधिकारी और स्वास्थ्य प्रबंधक को छठ घाटों पर विशेष चिकित्सकीय इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए आदेश दिए गए हैं। इसके अलावा, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पीएचसी स्तर पर कंट्रोल रूम संचालित किया जाएगा, ताकि आवश्यक चिकित्सकीय सहायता तत्परता से उपलब्ध कराई जा सके।

सिविल सर्जन ने कहाः "धार्मिक आस्था से जुड़ा यह महापर्व स्वास्थ्य विभाग के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। सभी स्वास्थ्य अधिकारी संवेदनशील घाटों पर

विशेष चिकित्सा इंतजाम सुनिश्चित करें। पर्व के दौरान सभी स्वास्थ्यकर्मी अलर्ट मोड में रहेंगे और उनके मोबाइल फोन ऑन रहेंगे ताकि समय पर मदद दी जा सके।"

मेडिकल टीम की तैनाती और सुविधाएंः जिले के प्रमुख छठ घाटों पर मेडिकल टीम की तैनाती की गई है, वहीं छोटे घाटों पर एएनएम (आंगनवाड़ी कार्यकर्ता) को जीवन रक्षक दवाओं के साथ तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त, चलंत चिकित्सा दल पूरे जिले में सक्रिय रहेगा। घाटों पर ट्रांजिट टीम द्वारा पोलियो रोधी टीका भी बच्चों को दिया जाएगा।

स्वास्थ्य संस्थान अलर्ट मोड परः डीपीएम स्वास्थ्य संतोष कुमार ने बताया कि इस दौरान सभी पीएचसी और सदर/अनुमंडल अस्पताल अलर्ट मोड पर कार्य करेंगे। साथ ही, आशा कर्मी सूचना आदान-प्रदान में अहम भूमिका निभाएंगे। स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारी लगातार घाटों का दौरा करेंगे और चिकित्सकीय व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे।

प्रचार अभियानः छठ घाटों पर बने मेडिकल कैंप में विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। इसके लिए बैनर और पोस्टर लगाए जाएंगे ताकि लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं के बारे में जागरूक किया जा सके। इस प्रकार, स्वास्थ्य विभाग इस साल के छठ महापर्व के दौरान लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

छठ पूजा की तैयारियों का जिलाधिकारी ने लिया जायजा, सुरक्षा और सुविधाओं पर दिया विशेष ध्यान

जोकीहाट प्रखंड के छठ घाटों पर बैरीकेटिंग, चेंजिंग रूम और रोशनी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

अररिया । छठ पूजा के महापर्व के मद्देनजर जिला पदाधिकारी श्री अनिल कुमार ने आज जोकीहाट प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया और वहां की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए ताकि छठ व्रतियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सूर्योपासना के इस महापर्व पर छठ व्रतियों की सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने खासतौर पर गहरे

घाटों को चिन्हित करते हुए वहां बैरीकेटिंग की व्यवस्था करने का निर्देश दिया ताकि व्रतियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा, जिलाधिकारी ने घाटों पर चेंजिंग रूम बनाने की भी बात की, ताकि व्रती अपनी सुविधानुसार वहां स्नान और पूजा की तैयारियां कर सकें। घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने की आवश्यकता को भी महसूस करते हुए संबंधित अधिकारियों को समय पर रोशनी व्यवस्था करने का आदेश दिया। इस निरीक्षण के दौरान स्थानीय अधिकारी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे और उन्होंने जिलाधिकारी के निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी के इस निरीक्षण और निर्देशों से स्पष्ट है कि छठ पूजा के दौरान व्रतियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि इस महापर्व का आयोजन पूरी तरह से शांतिपूर्वक और सुविधाजनक तरीके से किया जा सके।

शराब तस्करों के खिलाफ नरपतगंज थाना की बड़ी कार्रवाई, 4545 लीटर शराब के साथ 02 तस्कर गिरफ्तार

पूर्णिया । नरपतगंज थाना पुलिस और डीआईयू टीम ने बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए शराब तस्करों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने एनएच-57 पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया, जिसमें एक ट्रक से 4545 लीटर अंग्रेजी शराब (McDowell's) बरामद की गई। शराब तस्करी के आरोप में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपीः

1. मो. नदीम अहमद (उम्र करीब 28 वर्ष), पिता- मो. जमील अहमद, ग्राम- मजुला नगर, थाना- कैमरी, जिला- रामपुर (उत्तर प्रदेश)

2. मो. फरमान अली (उम्र करीब 30 वर्ष), पिता- मो. फरजान अली, ग्राम- रूदरपुर, उधमसिंह नगर, थाना- रामनगर, जिला- नैनीताल (उत्तराखण्ड)

बरामदगीः

अंग्रेजी शराबः 4545 लीटर

ट्रकः 01

ट्रक में एक बड़े बिजली ट्रांसफॉर्मर के भीतर शराब को गुप्त तरीके से छुपाकर लाया जा रहा था। पुलिस अब शराब तस्करी के नेटवर्क की जांच-पड़ताल कर रही है, और इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। नरपतगंज थाना में मामला दर्ज कर आरोपियों से पूछताछ जारी है।

पनोरमा स्पोर्ट्स सीजन-7: क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन का शानदार आयोजन, 8 मैचों के परिणाम घोषित

पूर्णिया। पनोरमा ग्रुप द्वारा आयोजित पनोरमा स्पोर्ट्स सीजन-7 के क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन का खेल शानदार तरीके से सम्पन्न हुआ। इस दिन कुल 16 टीमों के बीच 8 मैच खेले गए, जिनमें से विजेता टीमों ने अगले राउंड के लिए अपनी जगह बनाई। पनोरमा स्पोर्ट्स सीजन-7 के आयोजन समिति के अध्यक्ष और पनोरमा ग्रुप के प्रबंध निदेशक संजीव मिश्रा ने विजेता टीमों को बधाई दी और आगामी मैचों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आयोजन समिति के सभी सक्रिय सदस्यों की भी सराहना करते हुए कहा कि इन सदस्यों की बदौलत ही यह प्रतियोगिता न केवल बिहार में बल्कि देश और विदेशों में चर्चा का विषय बन गई है। मिश्रा ने कहा, "खिलाड़ी मैदान में अपना शत-प्रतिशत योगदान दे रहे हैं और हम चाहते हैं कि युवा खेलों में अपनी ऊर्जा लगाएं, ताकि वे गलत रास्ते पर न जाएं।" उन्होंने यह भी बताया कि पनोरमा ग्रुप का उद्देश्य अधिक से अधिक टीमों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। आयोजन समिति के सदस्य हरिओम झा ने दूसरे दिन के खेलों के बारे में बताया कि पूर्णिया जिला स्कूल मैदान

पर आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में टीमों ने अनुशासन के साथ खेला और सभी मैच समय पर समाप्त हुए। झा ने यह भी बताया कि मैचों के सीधा प्रसारण किए जा रहे हैं और दर्शक पनोरमा स्टार यूट्यूब चैनल और पनोरमा ग्रुप के फेसबुक पेज पर लाइव मैच देख सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार सख्त नियम लागू किए गए हैं, और अगर कोई टीम समय पर मैदान पर नहीं पहुंचती है, तो विपक्षी टीम को सीधा वाक ओवर दिया जाएगा।

आज के मैचों के परिणामः

1. पूर्णिया ब्लास्टर बनाम पूर्णिया स्टार क्लब - दोनों टीमें निर्धारित समय पर मैदान पर रिपोर्ट नहीं कर पाईं, इसलिए मैच रद्द।

2. चुनापुर क्रिकेट क्लब बनाम हन्नी इलेवन क्रिकेट - हन्नी क्रिकेट क्लब ने 6 विकेट से जीत हासिल की।

3. पोलटेक्निक क्रिकेट क्लब बनाम बरमोस क्रिकेट क्लब - पोलटेक्निक क्रिकेट क्लब ने 23 रन से जीत दर्ज की।

4. बादशाह इलेवन क्रिकेट क्लब बनाम जूनियर स्टार क्रिकेट क्लब - जूनियर स्टार क्रिकेट क्लब ने 9 विकेट से जीत हासिल की।

5. मिल्की क्रिकेट क्लब बनाम बाबा क्रिकेट क्लब - मिल्की क्रिकेट क्लब ने 7 विकेट से जीत दर्ज की।

6. डजिंग क्रिकेट क्लब बनाम द्रोणा क्रिकेट क्लब - द्रोणा क्रिकेट क्लब ने जीत दर्ज की।

7. दीपक इलेवन रंगभूमि बनाम आरसीसी पूर्णिया - दीपक इलेवन ने

- विजेता टीमों को बधाई, संजीव मिश्रा ने आयोजन समिति के योगदान की सराहना की

60 रन से जीत दर्ज की।

8. टीम जीपी पूर्णिया बनाम सहारा पंचायत - जीपी पूर्णिया ने 8 विकेट से जीत हासिल की।

आज के मैचों में निर्णायक मंडल के सदस्य मो. नयर अली, काजल पोद्दार, विमल मुकेश, एस.एस. प्रसाद उर्फ पिंटू कुमार, और हरीश कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य हरिओम झा, मो. मंजर मोहसिन, अमृत साजन, मो. मासूम, वेदांत, और शिवम सक्रिय रहे, जबकि कार्यक्रम की उद्घोषणा विकास कुमार ने की और स्कोरर के रूप में प्रिंस कुमार थे। पनोरमा स्पोर्ट्स सीजन-7 में प्रतियोगिता का यह आयोजन खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए एक अद्वितीय अनुभव साबित हो रहा है, और आगामी दिनों में इसकी लोकप्रियता और भी बढ़ने की उम्मीद है।

जदयू के जिलास्तरीय सम्मेलन 11 को,तैयारी तेज

मधेपुराः जदयू के जिलास्तर पर आयोजित होने वाले सम्मेलन की तैयारी को लेकर जदयू सदर प्रखंड अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार उर्फ विनायक की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय में प्रखंड कार्यकारिणी एवं पंचायत अध्यक्षों की बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित विधानसभा प्रभारी मु. मोहीउद्दीन राईन ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं को अभी से जुट जाना है। जिला स्तर पर होने वाले सम्मेलन में पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं के साथ प्रखंड व पंचायत स्तर पर सक्रिय रहने वाले सभी जदयू कार्यकर्ताओं का इस सम्मेलन में सहभागिता अहम है। उन्होंने बताया कि 11 नवंबर को जिला स्तर पर आयोजित सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा शामिल होंगे। सम्मेलन की सफलता को बैठक में कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया गया। मौके पर प्रखंड प्रभारी सुरेंद्र प्रसाद यादव, जिला 20 सूत्री सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि प्रो. विजेंद्र नारायण यादव, जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष प्रो.मनोज भटनागर, जदयू नेता डा.नीलाकांत,प्रो. सुजीत मेहता, प्रो.दिनेश कुमार आदि मौजूद थे।

झिरवा में आयोजित बैठक में शाहजहाँ शाद ने किया जुलूस में भारी संख्या में भाग लेने की अपील

- सभा में गुस्ताख ए रसूल को फांसी की सजा की होगी मांग,
- जहाँ भी मीटिंग हो रही है भारी संख्या में लोग हो रहे हैं शामिल : शाद
- बैठक की शुरुआत हुजूर पाक स0 की शान में दरूद शरीफ कर की गई। एवं लोगों से आग्रह किया गया कि जुलूस में सभी लोग शांतिपूर्ण तरीके से आएंगेः अध्यक्ष

फारबिसगंज । सीमांचल अधिकार मंच के अध्यक्ष शाहजहाँ शाद की अध्यक्षता में पुरवारी झिरवा स्थित मदरसतुल बनात में एक महत्त्वपूर्ण बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें आगामी जुलूस को लेकर रणनीतियाँ बनाई गई।बैठक की शुरुआत हुजूर पाक स० की शान में दरूद शरीफ कर की गई। एवं लोगों से आग्रह किया गया कि जुलुस में सभी लोग शांतिपूर्ण तरीके से आएंगे। शाहजहाँ शाद ने लोगों से अपील की कि वे इस जुलूस में भारी संख्या में शामिल हों और अपनी एकता और शांति का परिचय दें। बैठक में यह भी बताया गया कि जुलूस कर्बला मैदान से शुरू होकर जुम्मन चौक, सुभाष चौक, और पोस्ट ऑफिस चौक से होते हुए द्विजदेनी फील्ड तक जाएगा, जहां एक सभा आयोजित की जाएगी। इस सभा में गुस्ताख ए रसूल को फांसी की सजा देने की मांग की जाएगी। मंच के अध्यक्ष शाहजहाँ शाद ने कहा, "जहाँ भी मीटिंग हो रही है, वहाँ भारी संख्या में लोग जुट रहे हैं। अब हमें जुलूस में एकजुट होकर अपनी आवाज उठानी है।" बैठक में मंच के सचिव एकराम अंसारी, ज्वाइंट सेक्रेटरी गुड्डू अली, नसीम कमाल उद्दीन, मुखिया आफताब, मुखिया रिजवान आलम, मुखिया रहमान, मास्टर रइस, कारी शफीक, जाहिद चेयरमेन, मौलाना नज़ाम, अब्दुल कय्यूम, शमीम, मोहम्मद बबलू, मोहम्मद फैजान, मास्टर रुस्तम, शौकत अली, पप्पू असहाब, शब्बीर, और अकबर अली सहित कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ता और नेता उपस्थित थे, जिन्होंने जुलूस की सफलता और शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई।

बीएनएमयू के अंगीभूत कॉलेजों में नैक मूल्यांकन की लापरवाही, कुछ कॉलेजों में सुधार की उम्मीद

- नैक मूल्यांकन में संबद्ध कॉलेज अव्वल,अनुपलाल कॉलेज के नैक ग्रेडिंग को आएगी नैक पीयर टीम

मधेपुरा/डा. रूद्र किंकर वर्मा। भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय (बीएनएमयू) के अंगीभूत कॉलेजों में नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिटेशन काउंसिल (नैक) मूल्यांकन की प्रक्रिया में लापरवाही और निष्क्रियता की समस्या सामने आ रही है। इसका असर कॉलेजों के अकादमिक विकास और शैक्षिक गुणवत्ता पर पड़ रहा है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत कुछ कॉलेज जैसे टीपी कॉलेज सहरसा, एमएलटी कॉलेज सहरसा, एसएनएस आरकेएस कॉलेज सहरसा, और बीएसएस कॉलेज सुपौल, जिनके पास पर्याप्त आधारभूत सुविधाएं हैं, फिर भी प्रशासनिक लापरवाही के कारण नैक मूल्यांकन की प्रक्रिया में देरी हो रही है। हालांकि कुछ कॉलेजों ने नैक मूल्यांकन के लिए प्रयास किए हैं, लेकिन यह प्रयास सही दिशा में लागू नहीं हो पाए हैं। उदाहरण के तौर पर, पीएस कॉलेज और आरएम कॉलेज, जिनका नैक मूल्यांकन 2017 में हुआ था, का दूसरा मूल्यांकन साइकिल अब तक रिन्यू नहीं हो सका। इस देरी से कॉलेजों की शैक्षिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। टीपी कॉलेज सहरसा, जो बीएनएमयू का एक प्रमुख कॉलेज है, का एसएसआर (सेल्फ स्टडी रिपोर्ट) अभी तक स्वीकृत नहीं हो पाया है, जबकि यह प्रक्रिया कई सालों से लंबित है। यह स्थिति इस बात को दर्शाती है कि कॉलेज प्रशासन ने इस दिशा में आवश्यक ध्यान और प्रयास नहीं किया है। हालांकि, कुछ कॉलेजों ने इस प्रक्रिया को सफलता पूर्वक पूरा किया है। मधेपुरा कॉलेज और यूबीके कॉलेज करामा ने नैक मूल्यांकन के दूसरे रिसाइकिल के लिए ग्रेडिंग प्राप्त की है। बीएनएमयू में आदर्श कॉलेज घैलाढ़ में पिछले महीने नैक पीयर टीम का निरीक्षण हुआ था। यह निरीक्षण नैक मूल्यांकन की दिशा में कॉलेजों के लिए एक सकारात्मक कदम था। अब आने वाले दिनों में एएलवाई कॉलेज त्रिवेणीगंज में 12 और 13 नवंबर को नैक पीयर टीम का निरीक्षण होने जा रहा है, जिससे कॉलेज प्रशासन में उत्साह का माहौल है।

नैक मूल्यांकन की दिशा में प्रगति की आवश्यकताः मधेपुरा कॉलेज के डॉ. अशोक कुमार और यूबीके कॉलेज के डॉ. माधवेंद्र झा का मानना है कि नैक मूल्यांकन के लिए सभी कॉलेजों को अधिक सक्रिय रूप से कदम उठाने चाहिए। उनका कहना है कि नैक मूल्यांकन केवल कॉलेजों की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि छात्रों के लिए बेहतर शैक्षिक वातावरण बनाने के लिए भी जरूरी है।

अनूपलाल यादव महाविद्यालय त्रिवेणीगंज की तैयारीः इस बीच, बीएनएमयू के अधीन स्थित अनूपलाल यादव महाविद्यालय 12 और 13 नवंबर को नैक पीयर टीम के निरीक्षण के लिए पूरी तरह तैयार हो रहा है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जयदेव यादव और आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि महाविद्यालय में नैक के सभी मानकों के अनुसार सुधार किए गए हैं। कॉलेज में सभी क्लासरूम, प्रयोगशालाएं, लाइब्रेरी और ई-लाइब्रेरी को समृद्ध किया गया है। सभी प्रायोगिक विषयों के लिए अलग-अलग प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। प्राचार्य ने कहा कि नैक के निरीक्षण के लिए शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने छुट्टियों के बावजूद कॉलेज में काम किया है ताकि निरीक्षण के दौरान किसी भी तरह की कमी न रह जाए।

नैक मूल्यांकन का महत्वः नैक मूल्यांकन कॉलेजों की शैक्षिक स्थिति और गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह न केवल कॉलेज के विकास को प्रोत्साहित करता है, बल्कि छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने का अवसर भी प्रदान करता है। बीएनएमयू के अंगीभूत कॉलेजों को नैक मूल्यांकन में सुधार करने के लिए अधिक सक्रियता और प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। इससे कॉलेजों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार होगा, और वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरने में सक्षम होंगे। बीएनएमयू के कॉलेजों में नैक मूल्यांकन को लेकर सुधार की आवश्यकता है, और इस दिशा में जो कुछ कॉलेज सक्रिय हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, उन कॉलेजों को भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को पूरा करने की दिशा में काम करना चाहिए।

वार्ड पार्षद दीपा आनंद ने छठ पूजा के लिए गेहूं सुखाकर शुरू किया धार्मिक अनुष्ठान

- सास और ननद का पूरा सहयोग, परिवार के साथ मिलकर मनाती हैं छठ पूजा

दैनिक शुभ भास्कर, अररिया। लोकआस्था का महापर्व छठ का आगाज हो चुका है, और नगर पार्षद दीपा आनंद ने इस वर्ष भी अपनी श्रद्धा और निष्ठा के साथ इस पर्व की शुरुआत की। अररिया नगर परिषद वार्ड 9 की वार्ड पार्षद दीपा आनंद ने इस पूजा के लिए गेहूं सुखाते हुए अपने घर की छत पर धार्मिक अनुष्ठान की तैयारियां शुरू कीं। पिछले ग्यारह वर्षों से छठी मैया की पूजा कर रही दीपा आनंद का कहना है कि यह पर्व केवल धार्मिक आस्था का ही प्रतीक नहीं, बल्कि समाज में एकजुटता और समानता को भी बढ़ावा देता है। दीपा ने बताया कि

छठ पूजा के दौरान वह पूरी श्रद्धा से गेहूं को सुखाकर उसे प्रसाद के रूप में तैयार करती हैं, जो इस पूजा का अहम हिस्सा होता है। उन्होंने कहा, "यह पर्व हमारी बिहारी संस्कृति और स्वाभिमान का प्रतीक है, जिसमें स्वच्छता, शुद्धता और विश्वास का विशेष महत्व है।" इस अवसर पर दीपा आनंद ने अपने परिवार के सहयोग को भी सराहा, और कहा कि उनका सास-ननद समेत पूरा परिवार इस पूजा को मनाने में उनका साथ देता है। बता दें दीपा आनंद युवा समाजसेवी सह राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं फारबिसगंज विधानसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ने के प्रबल दावेदार मंडल अविनाश आनंद की धर्मपत्नी और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी के एन विश्वास की पुत्रवधु हैं।

दैनिक शुभ भास्कर
Epaper : www.dainik shubh bhaskar.com
हर कदम आपके साथ...
www.shubhbhaskar.com

फिर चोटिल हुए ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार

12 महीने बाद हुई थी वापसी

रियाद, एजेंसी। चोटिल होने के कारण 12 महीने तक बाहर रहने के बाद हाल में प्रतिस्पर्धी फुटबॉल में वापसी करने वाले ब्राजील के फुटबॉल स्टार नेमार अपने दूसरे मैच में ही फिर से चोटिल हो गए। नेमार एएफसी चैंपियंस लीग एलीट वर्ग के इस मैच में सऊदी अरब के अपने क्लब अल हिलाल की तरफ से 58वें मिनट में मैदान पर उतरे लेकिन खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। ऐसा लग रहा था कि पेनल्टी एरिया में गेंद पर कब्जा करने के लिए पांव फैलाने से उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया।

नेमार के पास हालांकि इस चोट से उबरने का पर्याप्त समय है क्योंकि अल हिलाल को अपना अगला मैच 25 नवंबर को खेलना है। अल हिलाल ने इस मैच में ईरान के क्लब एस्टेघलाल को 3-0 से हराया। चार बार के एशियाई चैंपियन अल हिलाल की तरफ से अलेक्जेंडर मित्रोविच ने हैट्रिक बनाई। उसने ग्रुप चरण में अभी तक अपने चारों मैच जीते हैं।

महिला नहीं, पुरुष हैं इमाने खेलीफ?

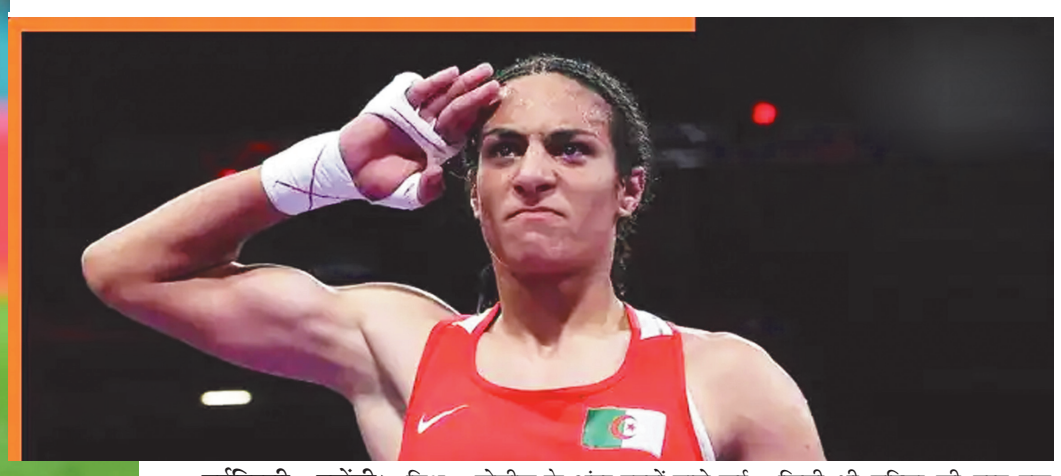

नईदिल्ली, एजेंसी। विश्व चैंपियनशिप 2023 के दौरान खेलीफ को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वहीं, ओलंपिक में उनकी भागीदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे थे। पहले मैच में उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी एंजिला कैरिनी की नाक पर जोरदार पंच जड़ा था, जिसके 46 सेकेंड बाद ही वह मुकाबले से हट गई थीं।

पेरिस ओलंपिक में मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाज अल्जीरिया की इमाने खेलीफ एक बार फिर विवादों में घिरती नजर आ रही हैं। ओलंपिक के दौरान खेलीफ लैंगिक मामले को लेकर काफी चर्चा में रही थीं, लेकिन उन्होंने इन सबके बीच शानदार प्रदर्शन किया था और पहला स्थान हासिल करने में सफल रही थीं। हालांकि, एक बार फिर वह चर्चा में आ गई हैं और उसकी वजह है एक मेडिकल रिपोर्ट जिसमें चौंका देने वाली जानकारी सामने आई है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खेलीफ के अंदर पुरुषों वाले कई अंग हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस मेडिकल रिपोर्ट में पाया गया है कि खेलीफ के पास आंतरिक अंडकोष और एक्सवाई गुणसूत्र (पुरुष गुणसूत्र) हैं, जो फाइव अल्फा रिडक्टेस अपर्याप्तता नामक डिसऑर्डर की तरफ इशारा करते हैं। पेरिस ओलंपिक के दौरान भी खेलीफ के खिलाफ खेलने वाली कुछ महिला मुक्केबाजों ने इशारों में इस बात के संकेत दिए थे। हालांकि, उस वक्त ओलंपिक समिति ने खेलीफ के खेलने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया था। खेलीफ ने चीन की यांग लियू को मुकाबले में 5-0 से हराया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

विवाद पर खेलीफ ने तोड़ी थी चुप्पी

खेलीफ ने ओलंपिक के दौरान लगातार लैंगिक विवाद को लेकर चुप्पी तोड़ी थी और कहा था, मैं किसी भी महिला की तरह एक महिला ही हूं। मैं एक महिला के रूप में पैदा हुई हूं और मैंने एक महिला के रूप में जीवन जिया है, लेकिन मेरी सफलता के कुछ लोग दुश्मन हैं और वे लोग मेरी सफलता को पचा नहीं सकते।

विश्व चैंपियनशिप से अयोग्य घोषित किया गया था

दरअसल, विश्व चैंपियनशिप 2023 के दौरान खेलीफ को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। वहीं, ओलंपिक में उनकी भागीदारी को लेकर भी सवाल उठ रहे थे।

पहले मैच में उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी एंजिला कैरिनी की नाक पर जोरदार पंच जड़ा था, जिसके 46 सेकेंड बाद ही वह मुकाबले से हट गई थीं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने अल्जीरिया की खेलीफ और ताइवान की लिन यू-टिंग पर बयान जारी करते हुए बताया था कि दोनों खेलने के लिए योग्यता रखती हैं।

7 दिन में दिया तीसरा इशारा

बृजभूषण सिंह के आरोपों का जवाब देने के लिए रेसलिंग में वापसी करेंगे विनेश फोगाट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेसलर विनेश फोगाट विधायक बन चुकी हैं। कभी रेसलिंग के मैट पर जलवा दिखाने वाली विनेश बीते महीने प्रचार करती नजर आई। लोगों से वोट मांगती नजर आई। जनता के प्यार ने उन्हें विधायक बनाकर विधानसभा में भेजा। विनेश अब इस रोल में भी खुद को साबित करने की कोशिश में लगी हैं।

विनेश भले ही विधायक बन गई हैं लेकिन उनके अंदर का खिलाड़ी मरा नहीं है। विनेश ने बीते सात दिन में तीन बार इशारा दिया है जिससे लगता है कि यह विधायक फिर से रेसलर बन सकती है। विनेश फोगाट ने शेयर की तस्वीर

विनेश ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक की अपनी तस्वीर शेयर की है। वह इस तस्वीर में बहुत जोश में नजर आ रही हैं। विनेश ने तस्वीर शेयर करके कैप्शन में लिखा, 'मान लिया तू है आज थक गया, मान लिया तू है आज घायल परिंदा, पर हौसला तुझमें अब भी बाकी है, लक्ष्य के लिए अब भी तू है जिंदा।' उन्होंने इस तस्वीर में सिंगर सिद्धू मूसेवाला का गाना भी लगाया।

कमेंट में फैंस ने जताई वापसी की उम्मीद: इस वीडियो के कमेंट में फैंस यह सवाल कर रहे हैं कि क्या विनेश वापसी करेंगी। वहीं कुछ ने कमेंट करके यह भी लिखा कि विनेश ओलंपिक मेडल जीतकर ही दम लेंगी। यह पहला मौका नहीं है जब विनेश ने अपनी रेसलिंग में वापसी को लेकर ऐसा बयान दिया है।

विनेश फोगाट ने शेयर किया था कुश्ती का वीडियो: विनेश ने 29 अक्टूबर 2024 की दोपहर अपनी कुश्ती वाला एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में विनेश कनाडा की पहलवान के खिलाफ रेसलिंग करती हुई नजर आ रही थी। कैप्शन में विनेश फोगाट ने वसीम बरेलवी का एक शेर लिखा था। इस शेर से भी यह समझ आ रहा था कि वह वापसी की ओर इशारा कर रही हैं।

विनेश फोगाट ने जर्सी में ली थी शपथ: वहीं इससे पहले जब विनेश बतौर विधायक शपथ लेने पहुंची तो भी पेरिस ओलंपिक की जर्सी में पहुंची थी। पूरे प्रचार में केवल सूट में नजर आने वाली विनेश विधायक बनते ही पुराने अवतार में नजर आई। उन्होंने शपथ लेने से पहले यह भी कहा कि वह खिलाड़ी हैं और खिलाड़ी ही रहेंगी। वहीं शपथ लेने के बाद भी खिलाड़ियों के लिए नारा लगाया।

क्यों वापसी कर सकती हैं विनेश फोगाट: विनेश की वापसी के कई कारण है। इसमें प्रमुख हैं बृजभूषण सिंह। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष ने विनेश के डिस्क्वालिफाई होने के बाद उनपर काफी गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि विनेश चीटिंग करके जीती है।

अगर ये दोनों यहां आंदोलन नहीं करती तो ओलंपिक 2024 में भारत के खाते में 5 और मेडल पक्के थे। बृजभूषण ने कहा था विनेश का डिस्क्वालिफाई होना उन्हें भगवान की ओर से मिली सजा है। इसके अलावा एक और कारण है जिसकी वजह से विनेश वापसी कर सकती है। यह वजह है ओलंपिक मेडल। साक्षी मलिक ने एक इंटरव्यू में बताया था कि विनेश ने कहा था कि साक्षी और बजरंग के पास ओलंपिक मेडल है और वह भी मेडल जीतना चाहती हैं।

सुनील गावस्कर की दो टूक

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित शर्मा कप्तानी न करें, खिलाड़ी के तौर पर जाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर का मानना है कि अगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित शर्मा एक से अधिक टेस्ट मैच मिस करते हैं तो पूरी सीरीज में उन्हें कप्तानी नहीं करनी चाहिए। बतौर खिलाड़ी दौरे पर होना चाहिए। गावस्कर ने दो टूक भारतीय क्रिकेट टीम के प्रबंधन से स्पष्टता की मांग की। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय कप्तान का पहला मैच खेलना महत्वपूर्ण है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों के चलते ऑस्ट्रेलिया सीरीज के पहले टेस्ट मैच से चूक सकते हैं। रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में जसप्रीत बुमराह कप्तानी कर सकते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वह उपकप्तान थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट मैच के बाद रोहित शर्मा से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह अभी इसे लेकर कुछ नहीं कह सकते।

कप्तान को पहला टेस्ट खेलना जरूरी

सुनील गावस्कर ने स्पोर्ट्स तक पर कहा, देखिए कप्तान को पहला टेस्ट खेलना जरूरी होता है।

अगर इंजर्ड हो गया तो बात अलग है, पर जब आपका जो लीडर है पहले ही बैटल में अवेलेबल नहीं है तो फिर डिप्टी लीडर पर जो प्रेसर बनता है वो अलग सा प्रेसर होता है। उसको फिर जिम्मेदारी लेना कप्तानी की वो आसान नहीं होगा।

भाई आपको जो करना है रेस्ट करना रेस्ट कर लो: सुनील गावस्कर ने कहा, मुझे पता नहीं हम भी पढ़ते आए हैं कि पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे रोहित शर्मा। शायद आप कह रह हैं कि दूसरे में भी नहीं खेलेंगे। तो अगर ऐसी बात है तो मैं यह कहता हूं अभी-अभी भारतीय सेलेक्शन कमिटी को ये बोलना चाहिए. अजीत अगरकर को ये बोलना चाहिए भाई आपको जो करना है रेस्ट करना रेस्ट कर लो, जो भी आपकी पर्सनल रीजन है। सुनील गावस्कर ने कहा, अगर आप 2/3 मिस कर रहे हैं तो आप इस टूर के लिए प्लेयर के नाते जाइए। दूसरे टेस्ट-तीसरे टेस्ट आपको जब चाहिए जाइए। पर हम इस टूर का कप्तान बदलकर जो वाइस कैप्टन है उसको हम कप्तान बनाएंगे क्योंकि क्लैरिटी होनी चाहिए। कप्तानी की जम्मेवारी है।

ऐतिहासिक सफलता के पीछे न्यूजीलैंड की अनुकूलन क्षमता: एजाज पटेल

मुंबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने भारत को 3-0 से ऐतिहासिक रूप से हराया, जिसमें टीम ने विभिन्न प्रकार की चुनौतियों पर विजय प्राप्त की। उनमें से सबसे बड़ी बाधा पिचों की प्रकृति थी, जिसमें बेंगलुरु, पुणे और मुंबई में टीमों के लिए अलग-अलग परिस्थितियां थीं।

पहले टेस्ट के लिए पिच में मौसम की बड़ी भूमिका थी और न्यूजीलैंड ने पहली पारी में भारत को हराने के लिए तेज़ गति के अनुकूल परिस्थितियों का भरपूर लाभ उठाया, जिसने अनिवार्य रूप से खेल को अपने पक्ष में कर लिया। पुणे का विकेट, हालांकि स्पिन के लिए सहायक था, धीमा था और धीमे गेंदबाजों को इसे फिर से समायोजित करने की आवश्यकता थी। फिर से, मेहमान टीम ने परिस्थितियों को बेहतर तरीके से समझा और मिशेल सेंटनर की अगुआई में उनके स्पिनरों ने भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की पहली सीरीज जीत की नींव रखी। फिर मुंबई आया और इस बार एजाज पटेल ने परिचित परिस्थितियों में गेंदबाजी की, क्योंकि उन्होंने न्यूजीलैंड को ऋषभ पंत की चुनौती से पार पाने में मदद की और भारत में वाइटवॉश (न्यूनतम 3 टेस्ट) हासिल करने वाली पहली टीम बन गई।

मीडिया से बात करते हुए, एजाज ने न्यूजीलैंड के सामने आने वाली विभिन्न परिस्थितियों और चुनौती का सामना करने के लिए उनकी तैयारियों पर प्रकाश डाला। तीन अलग-अलग सतहें और तीन अलग-अलग मैच रहे हैं, और मुझे लगता है कि हम अच्छी तरह से जानते हैं कि एशिया जाने की चुनौतियों में से एक यह है कि परिस्थितियां हर समय बदलती रहती हैं और आपको अनुकूल होना पड़ता है और मैच के भीतर भी परिस्थितियां बहुत तेज़ी से बदलती हैं। मेरा मतलब है कि इस मुंबई टेस्ट में भी मैं गेंदबाजी कर रहा था...मुझे लगता है कि पहली पारी में और मुझे लगा कि मैं वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूँ, लेकिन विकेट वास्तव में टर्न नहीं कर रहा था और फिर मैं लंच के बाद वापस आया और अचानक सब कुछ होने लगा। एजाज ,

जिन्होंने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड ने उपमहाद्वीप में विभिन्न पिचों का सामना करने के लिए अपने घर पर अच्छी तैयारी की थी,ने कहा, तो मुझे लगता है कि जब आप उपमहाद्वीप में आते हैं तो यह उस कौशल सेट और उस सीमा के बारे में होता है, चाहे वह 90 के दशक में गेंदबाजी करना हो या 80 के दशक में गेंदबाजी करना हो और शुरू से ही उन सीमाओं में अनुकूलन करने में सक्षम होना। यह सतह को जल्दी से पढ़ने के बारे में भी है क्योंकि जैसा कि मैंने कहा कि परिस्थितियां निरंतर (दर) से बदलती हैं। कभी-कभी सुबह की परिस्थितियां मध्य सत्र की परिस्थितियों से बहुत अलग हो सकती हैं और इसलिए एक स्पिनर के रूप में यह जानना ज़रूरी है कि इसका अधिकतम लाभ कैसे उठाया जाए .

अपनी गति कैसे बदली जाए, गेंद को आकार में रखते हुए कैसे ऊपर-नीचे किया जाए। उन्होंने कहा, अगर मैं आपसे ईमानदारी से कहूँ, तो हमारे घर पर सर्दी बहुत अच्छी रही, जहां हमने टर्निंग विकेटों पर तैयारी की और हमने सुनिश्चित किया कि हमारे पास अलग-अलग सतहें हों, जिन पर हमने अभ्यास किया और कोशिश की, इसलिए मुझे लगता है कि हम अलग-अलग सतहों पर गेंदबाजी करने के लिए भी तैयार थे।

शाकिब अल हसन मुसीबत में फंसे

लंदन, एजेंसी। काउंटी चैंपियनशिप में सरी के लिए खेलने के दौरान अंपायर्स ने शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को लेकर दी गई रिपोर्ट के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बंगलादेश के ऑलराउंडर शाकिब से अपने गेंदबाजी एक्शन की जांच करवाने के लिए कहा है। शाकिब को खेलने से नहीं रोका गया है लेकिन यह पता चला है कि शाकिब के एक्शन की जांच कराने के लिए बातचीत चल रही है।

यह जांच अगले कुछ सप्ताह में हो सकती हैं। शाकिब के दो दशक लंबे करियर में यह पहली बार है जब उनका गेंदबाजी एक्शन किसी तरह की जांच का विषय बना है। इस दौरान शाकिब ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 447 मैचों में 712 विकेट लिए हैं, जिसमें 71 टेस्ट में 246 विकेट शामिल हैं। सितंबर में टॉन्टन में सोमरसेट के खिलाफ खिताबी मुकाबले में 37 वर्षीय शाकिब ने 9 विकेट चटकाए थे। 2010-11 के बाद शाकिब पहली बार काउंटी चैंपियनशिप में खेल रहे थे।

बरेली में राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता बुधवार से, देशभर के 809 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

बरेली(उप्र.), एजेंसी। बरेली में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित होने वाली अंडर-17 वर्ग की राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता के लिए देशभर के खिलाड़ी बरेली आने लगे हैं।

सोमवार को केंद्रीय विद्यालय संगठन के साथ ही तमिलनाडु, गुजरात, तेलंगाना सहित कई अन्य राज्यों के खिलाड़ी शहर पहुंचे। इन्हें ठहराने के लिए अलग-अलग होटलों में कमरे बुक कराए गए हैं। जिले को पहली बार राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता की मेजबानी मिली है। छह से 10 नवंबर तक राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में होने वाली प्रतियोगिता के आयोजन में कोई कमी न रह जाए, इसके लिए जिम्मेदार जुटे हुए हैं। खिलाड़ियों के ठहरने, खाने-पीने, मैदान तक आने-जाने, अभ्यास की व्यवस्था सहित अन्य चीजों की जिम्मेदारी अलग-अलग लोगों को दी गई है। खिलाड़ियों को ठहराने के लिए कई होटलों में 400 कमरे बुक किए गए हैं। पांच दिवसीय प्रतियोगिता के लिए अभी तक 809 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है।

बालिका वर्ग में 33 व बालक में 35 टीमें भाग लेंगी। मंडलीय क्रीड़ा सचिव नईम अहमद ने बताया कि मैदान में पांच कोर्ट बनाए गए है। राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबाल प्रतियोगिता में पहली बार टाइम आउट बजर का इस्तेमाल किया जाएगा। मैदान में बने पांचों कोर्ट में खिलाड़ियों की सुविधा के लिए इसका उपयोग होगा।

एशियाई हॉकी चैंपियंस टूर्नामेंट की ट्रॉफी पहुंची नालंदा

नालंदा(बिहार), एजेंसी। गत चैंपियन के अलावा इस टूर्नामेंट में चीन, थाईलैंड, मलयेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान की टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजन को लोकप्रिय बनाने के लिए ट्रॉफी को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाएगा। एशियाई हॉकी चैंपियंस टूर्नामेंट (महिला) की ट्रॉफी का सोमवार को यहां के विश्व धरोहर स्थल नालंदा महाविहार में पहुंचने पर धूमधाम से स्वागत किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में खेल प्रेमियों के साथ स्कूली बच्चे भी मौजूद थे। हॉकी इंडिया और बिहार सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट 11 से 20 नवंबर के बीच नव विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। गत चैंपियन के अलावा इस टूर्नामेंट में चीन, थाईलैंड, मलयेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान की टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजन को लोकप्रिय बनाने के लिए ट्रॉफी को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरन ने कहा, 'ट्रॉफी को पहले पंजाब, हरियाणा, ओडिशा और झारखंड ले जाया गया था। उसके बाद, इसे बिहार के लगभग सभी जिलों में ले जाया गया और यह 10 नवंबर को राजगीर पहुंचेगी।

मुद्रक- स्वामी- प्रकाशक, सुनील कुमार मिश्रा, द्वारा शुभ - लाभ प्रिंटर्स , मावली उदयपुर, राजस्थान, 313203 / प्रधान संपादक: उमेश कुमार, मो.नं. +91 96259 58256 / संपादक : अनिल कुमार मिश्र, मो.नं. +91 98 5231 5231 / विधि सलाहकार : अरविंद कुमार भारद्वाज "अधिवक्ता" इलाहाबाद उच्च न्यायालय, उत्तरप्रदेश , मो.नं. +91 96953 96700 / प्रधान कार्यालय : HNo- 616 / 156 /1, सेमरा गौढ़ी, सीतापुर रोड मड़ियांव, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226013, मो. नं. +91 96259 58256 / बिहार - झारखंड, प्रदेश कार्यालय : (नजदीक जिला केन्द्रीय पुस्तकालय) पुरानी जीटीरोड़ , औरंगाबाद (बिहार), 824101, मो.नं. +9198 5231 5231 / दैनिक शुभ भास्कर RNI UPHIND 2015 /64737. पी. आर. बी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु ज़िम्मेदार, सभी न्याय क्षेत्र उदयपुर राजस्थान होगा।